



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 19, 1977 (माघ 30, 1898)

No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 19, 1977 (MAGHA 30, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 दिसम्बर 1976

सं० पी०/1877-प्रशा० —कालीकट क्षेत्रीय इंजीनियरी कालिज, कालीकट में लैक्चरर डा० आर० भास्करन को, जिन्हें संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 19-11-1976 द्वारा 13 अक्टूबर, 1976 के पूर्वार्द्ध से दो मास की अवधि के लिए संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया गया था, 12-10-1978 (अपराह्न) तक, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

(प्र० ना० मुखर्जी), अवर सचिव,
इस्ते अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 29 दिसम्बर 1976

सं० ए० 12019/5/74-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी

466—GI/76

(809)

श्री एम० एस० छाबड़ा को 3-1-1977 से 28-2-1977 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में कनिष्ठ अन्वेषक के पद पर तदर्थ आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. श्री छाबड़ा कनिष्ठ अन्वेषक के संवर्गवाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्य करते रहेंगे और उनका वेतन समय समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के का० शा० सं० एफ० 10(24ई-III)/60 दिनांक 4 मई, 1961 में निहित उपबन्धों के अनुसार होगा।

दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० ए० 12019/1/75-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में सहायक अधीक्षक (हाल) श्री जगदीश लाल को, 23-12-1976 से 28-2-1977 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (तथ्य संसाधन) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

प्र० ना० मुखर्जी, अवर सचिव,
इस्ते सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 जनवरी 1977

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा० III(1)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० के० सामन्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 16-12-76 से 30-1-77 तक 46 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा०-III(2)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० एन० सगामेश्वरन को, राष्ट्रपति द्वारा 3-1-77 से 28-2-77 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा०-III(4)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास सरमा को, राष्ट्रपति द्वारा 31-12-76 से 21-2-77 तक 53 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा०-III(5)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० के० मागो को, राष्ट्रपति द्वारा 31-12-76 से 21-2-77 तक 53 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

दिनांक 20 जनवरी 1977

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० एल० मदान को, राष्ट्रपति द्वारा 17-1-77 से 3-3-77 तक 46 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रा० ना० मुखर्जी
अवर सचिव
प्रशासन प्रभारी

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० ए०-19036/19/76 प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, राजस्थान राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एन० के० त्रिपाठी को दिनांक 10-1-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के

लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

पी० एस० निगम,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

गृह मंत्रालय
महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 7 जनवरी 1977

सं० ई०-16013(2)12/73-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर अपने मूल संवर्ग में प्रत्यावर्तित होने पर, श्री बी० जे० मिसर, आई० पी० एस० (महाराष्ट्र-1958) ने दिनांक 30 नवम्बर, 1976 के अपराह्न से, के० श्री० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय के ग्रुप कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 14 जनवरी 1977

सं० ई०-16013(2)/8/74-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर, अपने मूल राज्य को प्रत्यावर्तित होने पर, श्री ए० वी० वी० मुदालियर आई० पी० एस० (महाराष्ट्र-1964) ने दिनांक 3 दिसम्बर, 1976 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट एफ० सी० आई० ट्राम्बे के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/17/76-कार्मिक—राष्ट्रपति, निरीक्षक एन० के० आनन्द को 4 अक्टूबर 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के० श्री० सु० ब० यूनिट आई० पी० सी० एल० बड़ौदा का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं, और उन्होंने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 19 जनवरी 1977

सं० ई०-16013(2)/2/77-कार्मिक—मध्य प्रदेश राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, श्री नरेन्द्र प्रसाद, आई० पी० एस० (म० प्र०-1962), ने दिनांक 17 जनवरी 1977 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के सहायक-महानिरीक्षक पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 22 जनवरी 1977

सं० ई०-38013(2)/7/76-कार्मिक—दिल्ली को स्थानान्तरित होने पर, श्री जी० आर० खोसला, कमांडेंट, के० श्री० सु० ब० यूनिट, खेतरी कापर प्रोजेक्ट, खेतरी, ने दिनांक 17 सितम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/17/76-कार्मिक—राष्ट्रपति, निरीक्षक एम० एन० सिंह को दिनांक 27 नवम्बर 1976 के अपराह्न से अगले आदेश तक के० श्री० सु० ब० यूनिट, दुर्गापुर इस्पात संयंत्र,

दुर्गापुर का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं और उन्होंने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-38013(3)/17/76-कामिक—दुर्गापुर से स्थानान्तरित होने पर, श्री जे० एल० शर्मा ने 29 सितम्बर 76 के पूर्वान्त से के० श्री० सु० ब० यूनिट दुर्गापुर इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 2 अक्टूबर 1976 के पूर्वान्त से के० श्री० सु० ब० यूनिट एफ० सी० आई० नई जलपायगुड़ी के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 30 जनवरी 1977

सं० ई-38013(3)/17/76 कामिक—राष्ट्रपति, निरीक्षक जे० एल० शर्मा को 7 नितम्बर 1976 के पूर्वान्त से अगले आदेश तक के० श्री० सु० ब० यूनिट दुर्गापुर इस्पात संयंत्र का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट नियुक्त करते हैं और उन्होंने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

ली० सि० बिष्ट,
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 11/13/75-एडी-I—राष्ट्रपति ने श्री एच० पी० राइम्बे की सेवाएं, तारीख 3 जनवरी, 1977 के अपराह्न से सहर्ष मेघालय सरकार के सुपुर्द की। श्री राइम्बे ने उसी तारीख से मेघालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद का कार्यभार छोड़ा।

राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय के अन्वेषक, श्री बी० पी० रस्तोगी का तारीख 3 जनवरी, 1977 के अपराह्न से तारीख 28 फरवरी, 1977 तक, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर मेघालय में जनगणना कार्य निदेशक, के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री रस्तोगी का मुख्यालय शिलांग में होगा।

दिनांक 29 जनवरी 1977

सं० 11/4/76-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 16 सितम्बर, 1976 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में और संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर कर्नाटक में अन्वेषक श्री आर० वाइ० रेवाशेट्टी की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की तारीख 1 जनवरी, 1977 से तारीख 28 फरवरी, 1977 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें पहले हो सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री रेवाशेट्टी का मुख्यालय बंगलौर में रहेगा।

सं० 11/4/76-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 17 सितम्बर, 1976 की समसंख्यक अधिसूचना के

अनुक्रम में और संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर पश्चिम बंगाल में अन्वेषक श्री डी० पी० चटर्जी की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की तारीख 1 जनवरी, 1977 से तारीख 28 फरवरी, 1977 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री चटर्जी का मुख्यालय कलकत्ता में ही रहेगा।

सं० 11/4/76-प्रशा०-एक—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 16 सितम्बर, 1976 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में और संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर महाराष्ट्र में अन्वेषक श्री आर० ई० चौधरी की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की तारीख 1 जनवरी, 1977 से तारीख 28 फरवरी, 1977 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री चौधरी का मुख्यालय बम्बई में ही रहेगा।

बट्टी नाथ,
भारत के उप महापंजीकार और
भारत सरकार के पदेन उप सचिव

कार्यालय महालेखाकार, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता, दिनांक 29 जनवरी 1977

सं० प्रशासन 1/947 II/51/58-51/72—महालेखाकार, पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित इस कार्यालय तथा महालेखाकार कार्यालय (केन्द्रीय) के सम्मिलित संवर्ग स्थानापन्न लेखा अधिकारियों को उनके नाम के विरुद्ध अंकित दिनांक से मौलिक वेतनमान लेखा अधिकारी के पद पर बहाली करने की कृपा की है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	पुष्टि की दिनांक
1.	श्री मनीश चन्द्र सेनगुप्ता	1-2-76
2.	श्री रा० कल्याणरमण	1-4-76
3.	श्री प्रभात कुमार विष्टास	1-6-76
4.	श्री निरोद मोहन बनर्जी	1-9-76
5.	श्री सैलेन्द्र नारायण दास	1-9-76
6.	श्री नारायण चन्द्र मोदक	4-9-76
7.	श्री मनोरंजन दास महापात्र	1-1-77
8.	श्री सदानन्द चक्रवर्ती	1-1-77

एस० सी० सिंघल
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

पूति विभाग

लेखा महानियंत्रक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1977

सं० प्रशासन (समन्वय) का० आ०/93—लेखा महानियंत्रक से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद मुख्य लेखा नियंत्रक ने बम्बई स्थित उप लेखा नियंत्रक कार्यालय, पूति विभाग के श्री बी० एम० एल० कपूर लेखा अधिकारी का त्यागपत्र दिनांक 15-1-1977 (अपराह्न) से मंजूर कर लिया है। अतः श्री बी० एम० एल० कपूर का नाम मुख्य लेखा नियंत्रक संगठन की नामावली से दिनांक 15-1-77 (अपराह्न) से काट दिया गया है।

जय लाल,
उप लेखा नियंत्रक

पूति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1977

सं० प्र०-1/1(82)—पूति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली ने निदेशक (भारतीय पूति सेवा के ग्रेड-1) के पद पर अवनति होने पर भी श्री पी० पी० कपूर ने दिनांक 18 दिसम्बर, 1976 के अपराह्न से उप महानिदेशक का पद भार छोड़ दिया।

दिनांक 1 फरवरी 1977

सं० प्र-1/1(1073)—श्री डी० आर० माने ने पूति निदेशालय (वस्त्र) में अधीक्षक के अराजपत्रित पद पर अवनति होने पर पूति निदेशालय (वस्त्र), बम्बई के कार्यालय में दिनांक 19 जनवरी, 1977 के अपराह्न से सहायक निदेशक (ग्रेड-II) का पदभार छोड़ दिया।

कीरत सिंह,
उप निदेशक (प्रशासन)
रुहे पूति निपटान महानिदेशक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 27 जनवरी 1977

सं० 86016(14)/76-प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के श्री एन० गोपालन को कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (र० 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए 5-1-1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करने है।

दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० 18288/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री हरनारायण मलहोत्रा, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक, को पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा और उनका नाम 30-9-77 (अपराह्न) से विभाग की नकरी से निकाल दिया जायेगा।

पी० के० रामानुजम,
रक्षा लेखा अवर महानियंत्रक (प्रशा०)

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1977

सं० ए-17011/1160-6—महानिदेशक पूति तथा निपटान एतद्वारा कलकत्ता निरीक्षण मंडल में स्थायी भंडार परीक्षक (वस्त्र) श्री गुरुमुख सिंह को दिनांक 3 जनवरी, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद पर स्थानापन्नरूप से नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन)
रुहे महानिदेशक,

बाणिज्य मंत्रालय

मुख्य-नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1977

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
स्थापना

सं० 6/1125/76-प्रशासन(राज०) 634—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में स्थानापन्न नियंत्रक, श्री पी० के० सील ने 31 दिसम्बर, 1976 के दोपहर बाद से उस पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ए० एस० गिल,
मुख्य-नियंत्रक, आयात-निर्यात

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 27 जनवरी, 1977

सं० 14/76/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के लागत-लेखापाल (तदर्थ) श्री डी० के० राय चौधुरी को लागत लेखापाल के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतन मान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 30 नवम्बर, 1976 से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० के० एस० वरदान,
महा निदेशक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1977

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० फा० 11-14/76-ए०-1—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर अभिलेख निदेशक (भारत सरकार) श्री पी० आर० मलिक को दिनांक 27/1/77 से आगामी आदेश पर्यन्त नियमित अस्थाई आधार पर पुरालेखाधिकारी (सामान्य) (द्वितीय वर्ग राजपत्रित) नियुक्त करते हैं।

सं० फा० 11-14/76-ए०-1—श्री निर्मल कान्त, सहायक पुरालेखाधिकारी ग्रेड 1 (सामान्य) नितान्त तदर्थ आधार पर पुरालेखाधिकारी (सामान्य) (बी ग्रेड राजपत्रित) 27-1-1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियुक्त किये गये। यह तदर्थ नियुक्ति नियमित नियुक्ति के लिये किसी भी प्रकार के बाये का अधिकार प्रदान नहीं करेगी और न अन्य उच्च ग्रेड में पक्षोन्नति हेतु पात्रता और वरिष्ठता संबंधी उद्देश्य के लिये गिनी जायेगी।

ह० अपठनीय
अभिलेख निदेशक

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1977

सं० ए-12011/13/76-एस-2—केन्द्रीय राजस्व महा-लेखाकार, नई दिल्ली के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों की स्थानापन्न नियुक्ति प्रत्येक के सामने लिखे कार्यालय और तिथि से लेखाधिकारी के रूप में 1 वर्ष के लिए रु० 840-1200 के वेतनमान में की जाती है।

क्रम सं०	नाम	कार्यालय ग्रहण की तिथि	कार्यालय
1.	श्री ओ० पी० परथि	18-12-76 (पूर्वाह्न)	केन्द्रीय अभियन्ता का कार्यालय केन्द्रीय क्रय और भंडार, दूरदर्शन नई दिल्ली।
2.	श्री एल० एन० सक्सेना	5-1-77 (पूर्वाह्न)	विक्री नियन्त्रक का कार्यालय, दूर-दर्शन, व्यवसायिक सेवाएं नई दिल्ली

इनकी प्रतिनियुक्ति (डेपुटेशन) वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के ओ० एम० संख्या 10(24)ई-III/60 दिनांक 4 मई, 1961 समय-समय पर यथा-संशोधित, में निर्धारित की गई शर्तों के अनुसार होगी।

राधाकृष्ण खट्टर,
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक

सं० 55/49/76-एस-1—महानिदेशक, दूरदर्शन इसके द्वारा श्री ई० एम० मेसी, ट्रांसमीशनकार्यकारी, दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली की नियुक्ति उसी केन्द्र में “कार्यक्रम कार्यकारी” के रूप में तदर्थ के आधार पर 6 दिसम्बर, 1976 से आगे आदेश होने तक करता है।

सं० 55/50/76-एस-I—महानिदेशक, दूरदर्शन इसके द्वारा श्री एस० पी० टंडन, ट्रांसमीशनकार्यकारी, दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली की नियुक्ति उसी केन्द्र में “कार्यक्रम कार्यकारी” के रूप में तदर्थ के आधार पर 3 दिसम्बर, 1976 से आगे आदेश होने तक करता है।

आर० एन० मलिक
निदेशक (वित्त)
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 24 जनवरी 1977

सं० ए-12025(II)/1/76-सिबन्धी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री एम० पी० सिल्ला, सहायक कैमरामैन, फिल्म प्रभाग बम्बई को श्री एच० एस० कपाडिया, स्थायी कैमरामैन के छुट्टी पर जाने के कारण, 11-1-1977 के पूर्वाह्न से कैमरामैन के पद पर नियुक्त किया है।

एम० के० जैन,
प्रशासकीय अधिकारी,
कृते प्रमुख निर्माता

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय,

फरीदाबाद, दिनांक 25 जनवरी 1977

सं० फाईल 4-6(114)/76-प्रशा-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री राम विद्योबा कोटे को सक्षम प्राधिकारी द्वारा इस निदेशालय में कलकत्ता में दिनांक 30 दिसम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विपणन-अधिकारी, वर्ग II, नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनीहार,
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० फा० 74/15/72-विकास-I—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० (1) एस० आर० ओ० 3184 दिनांक 28 दिसम्बर, 1956(2)/83 दिनांक

29 जुलाई 1961(3) 3752 दिनांक 26 दिसम्बर, 1955 और (4) 157 दिनांक 22 जून, 1963 और जी० एस० आर० 904 दिनांक 27 जून, 1964 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, मैं, जे० एस० उप्पल, कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार, एतद् द्वारा, वरिष्ठ विपणन अधिकारी, प्रभारी पश्चिमी क्षेत्र बम्बई से सम्बद्ध डा० ए० के० श्रीवास्तव, विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से सुगन्धित तेल और वनस्पति तेल, जिनका श्रेणीकरण समय समय पर संशोधित सुगन्धित तेल तेल श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1954 और वनस्पति तेल श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1955 के अनुसार किया जा चुका है और जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

जे० एस० उप्पल,
कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 25 जनवरी 1977

सं० 05000/स-247/377—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य अधिकारी, श्री गटी कृष्ण साहू को, भारी पानी परियोजना (तलचर) में जनवरी 5, 1977 पूर्वाह्न से आगे आदेश होने तक के लिए अस्थायी हैसियत से स्थानापन्न श्रम तथा कल्याण अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 05000/प-164/376—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री जी० पदमनाभन, तमिलनाडु सरकार के लोक निर्माण विभाग के स्थानापन्न सहायक तथा मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के वरिष्ठ श्रेणी लिपिक को अस्थायी हैसियत से मार्च 30, 1976 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

कार्मिक और सामान्य प्रशासन

श्रीहरिकोटा-524124, दिनांक 10 जनवरी 1977

सं० एस० सी० एफ०/पी० एण्ड जी० ए०/ई० IV/1.72—अन्तरिक्ष विभाग के भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के शार रेंज में इंजीनियर एस० बी० कुमारी उषा दीप

का त्यागपत्र दिनांक 6-1-1977 के अपराह्न से स्वीकार किया गया है।

हस्ता०
नियंत्रक,
कृते निदेशक
शार केन्द्र

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 29 जनवरी 1977

सं० ई० (I) 04267—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान) पूना के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री पी० के० ई० राजा को 17-1-77 के पूर्वाह्न से 31-3-77 तक 74 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री राजा, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, वेध-शालाओं के उप-महानिदेशक, (पूर्वानुमान) के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 04304—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, (उपकरण), पुणे के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० चौधुरी को 17-1-77 के पूर्वाह्न से 31-3-77 तक 74 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री चौधुरी, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, (उपकरण), पुणे के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 05131—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एस० आर० शेषाद्रि को 10-1-77 के पूर्वाह्न से 8-4-77 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री शेषाद्रि, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 05868—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री चन्द्र प्रकाश को 19-1-77 के पूर्वाह्न से 31-3-77 तक 72 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री चन्द्र प्रकाश, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 06059—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली व्यावसायिक सहायक श्री एस० सी० गुप्ता को 17-1-77 के पूर्वाह्न से 31-3-77 तक 74 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्ता, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 06560—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री एच० सी० मेहरा को 14-1-77 के पूर्वाह्न से 31-3-77 तक 77 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री मेहरा, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, वेधशालाओं के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 06736—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री आर० के० बंसल को 14-1-77 के पूर्वाह्न से 31-3-77 तक 77 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री बंसल, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 07284—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री बी० आर० श्रोड़ा को 17-1-77 के पूर्वाह्न से 31-3-77 तक 74 दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री श्रोड़ा, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

गुरमुख राय गुप्ता,
मौसम विज्ञानी
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 1 फरवरी 1977

सं० ई० (I) 06341—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक कृषि-मौसम विज्ञान पूना के कार्यालय में स्थानापन्न व्यावसायिक सहायक श्री एस० के० काजी को, भारत मौसम विज्ञान सेवा, ग्रुप-बी में (केन्द्रीय सेवाएं ग्रुप-बी), 30 दिसम्बर

1976 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री काजी, निदेशक कृषि मौसम विज्ञान पूना के कार्यालय में तैनात रहेंगे।

एस० आर० एन० मणियन,
मौसम विज्ञान (स्थापना)
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1977

सं० ए-35021/1/74-ई० एम०—बोकारो स्टील लि० में विभागेतर सेवा पर प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तित होने पर श्री टी० के० मैत्रा ने 23 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता के कार्यालय में विमान निरीक्षक, के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

हरबंस लाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1977

सं० ए-19012/1/77-हिन्दी—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री बी० आर० राजपूत को 22-1-1977 (अपराह्न) से, तथा अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

हरबंस लाल कोहली,
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली दिनांक 27 जनवरी 1977

सं० ए-19013/18-ए/72-ई० एच/ई-1—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री के० एस० एम० राव सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं और उन्होंने 31 दिसम्बर, 1976 से क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

प्रेमचन्द जैन,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1977

सं० ए-38013/1/77-ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर

क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास के कार्यालय के श्री के० स्वामी -
नाथन, सहायक संचार अधिकारी ने 21-12-1976 (अप-
राह) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

सुरजीत लाल खंडपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय,
सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
नई दिल्ली, दिनांक

सं० 1/77—निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों को,
निरीक्षण और लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क और
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली, में नीचे बताए गए
सहायक मुख्य लेखा अधिकारियों के छुट्टी पर जाने के
कारण रिक्त हुए पदों पर दिनांक 17-1-77 (पूर्वाह्न)
से और अगला आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से काम
करने के लिए सहायक मुख्य लेखा अधिकारी नियुक्त किया
जाता है।

1. श्री ए० आर० शर्मा श्री बी० के० हाजरा, सं० मु० ले० अ०
के स्थान पर।
2. श्री एम० सी० मल्लिक श्री एस० एन० वर्मा, सं० मु० ले०
अ० के स्थान पर।
3. श्री टी० आर० शर्मा श्री के० डी० मठ, सं० मु० ले० अ०
के स्थान पर।

सु० वेंकटरामन
निरीक्षण निदेशक

निर्माण और आवास मंत्रालय
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग
प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1977

सं० 30/2/76-ई० सी० 9—राष्ट्रपति, निम्नलिखित
स्थानापन्न वास्तुकों/वरिष्ठ वास्तुकों को, जो सामान्य केन्द्रीय
सेवा ग्रुप ए में, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में वास्तुक/
वरिष्ठ वास्तुक के ग्रेड में कार्य कर रहे थे, उनके नाम के
आगे दी हुई तिथि से स्थायी घोषित करते हैं।

क्रम सं०	नाम	स्थायित्वता की तिथि	विवरण
1	2	3	4
1.	श्री ए० के० ऋषि	23-4-69	
2.	श्री जोगिन्द्र बहादुर	23-4-69	
3.	श्री आई० डी० माथुर	23-4-69	
4.	श्री ए० बी० सक्सेना	7-5-69	
5.	श्री आर० सी० मनचन्दा	15-9-69	
6.	श्री एम० डी० राजादन्या	26-6-70	
7.	श्री ए० के० दास गुप्ता	12-5-71	
8.	श्री के० आर० जानी	23-12-71	

1	2	3	4
9.	श्री सनगत सिंह	22-6-72	
10.	श्री टी० के० डी० बर्मन	19-9-72	
11.	श्री जे० आर० जाधव	23-10-72	
12.	श्री जे० कोठारी	17-3-73	
13.	श्री एस० डी० सतपुटे	10-6-73	
14.	श्री डब्ल्यू० आर० शिहोरकर	24-6-73	
15.	श्री बी० एस० दुग्गल	23-1-74	
16.	श्री एम० एस० शर्मा	1-5-74	
17.	श्री आई० एम० भाटिया	1-5-74	

एस० एस० पी० राव,
प्रशासन उप-निदेशक (II)
कृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली, दिनांक 18 जनवरी 1977

सं० 30/7/75-ई० सी०-I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधि-
कारियों को इनके नामों के समक्ष दी गई तिथियों से
केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी 1, में सहायक कार्यपालक
इंजीनियर के पद पर स्थाई रूप से नियुक्ति का आदेश
देते हैं।

सं०	नाम	स्थायी नियुक्ति की तिथि
1.	श्री धर्मपाल	26-10-74
2.	श्री जगमोहन स्वरूप	9-10-74
3.	श्री रमेश चन्द्र गुप्त	9-10-74

सं० 30/13/76-ई० सी०-I—राष्ट्रपति श्री ए० के०
सिन्हा को 1 जनवरी 1974 से केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा,
ए-श्रेणी में सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर
स्थायी रूप से नियुक्ति का आदेश देते हैं।

दिनांक 28 जनवरी 77

सं० 27-ए०ई०/जी(6)/74-ई० सी०-II—केन्द्रीय लोक
निर्माण विभाग, 'बी' मण्डल के सहायक कार्यपालक इंजी-
नियर श्री डी० एन० गुप्त का 13 दिसम्बर 1976 को
देहान्त हो गया।

पी० एस० पारबानी
प्रशासन उप-निदेशक
कृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली दिनांक 18 जनवरी 1977

सं० 30/13/76-ई० सी०-I—राष्ट्रपति श्री महेन्द्र सिंह का 8-11-73 से केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी 1 में सहायक कार्यपालक इंजीनियर के पद पर स्थायी रूप से नियुक्ति का आदेश देते हैं।

पी० एस० पारखानी
प्रशासन उप-निदेशक

केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 18 जनवरी 1977

सं० 1/13/76-प्रशासन-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण, संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों के अनुसार श्री राम सिंह को, केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण, नई दिल्ली में अतिरिक्त सहायक निवेशक (वैज्ञानिक) के ग्रेड में 21-12-76 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश जारी होने तक, एतद्वारा नियुक्त करते हैं।

2. श्री राम सिंह नियुक्ति की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षाधीन होंगे।

पी० एम० सिराजुद्दीन,
अवर सचिव

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 1977

सं० 4—उत्तर रेलवे के यातायात विभाग के नीचे दिए गए अधिकारी उनके सामने दी गई तिथि से अन्तिम रूप से रेल सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

1. श्री रामसरन दास गुप्त ए० टी० ओ० (पी० एल) / प्रधान कार्यालय 30/9/76 ए० एन०

2. श्री के० एल० सभरवाल, ए० ओ० एस० (कोचिंग) दिल्ली 31-12-76 ए० एन०।

एस० सी० मिश्र,
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय,

कम्पनी कार्य विभाग,

कम्पनी विधि बोर्ड

कार्यालय कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धौलपुर एग्रो एण्ड कोटेज इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 1190/6587—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह 2—466जीआई/76

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धौलपुर एग्रो एण्ड कोटेज इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धौलपुर कोलोनाईजर एण्ड एग्रो डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 1193/6589—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धौलपुर कोलोनाईजर एण्ड एग्रो डेवलपमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धौलपुर फाईनेन्सीयर एण्ड इन्वेस्टर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 1198/6591—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धौलपुर फाईनेन्सीयर एण्ड इन्वेस्टर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राजस्थान फारमर्स कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 1192/6593—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर राजस्थान फारमर्स कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धौलपुर कोमर्शियल एग्रो प्रोडक्ट्स प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 1201/6595—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धौलपुर कोमर्शियल एण्ड एग्रो प्रोडक्ट्स प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया

गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धौलपुर मरकेन-टाइल एण्ड इनवेस्टमेंट कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 1199/6597—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धौलपुर मरकेन-टाइल एण्ड इनवेस्टमेंट कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धौलपुर एग्रीकलचरल कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 1194/6599—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धौलपुर एग्रीकलचरल कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और धौलपुर होर्टीकलचर एण्ड एग्रीकलचर कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड के विषय में,

ग्वालियर, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० 1197/660—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर धौलपुर होर्टीकलचर एण्ड एग्रीकलचर कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

सत्यप्रकाश तायल,
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं बी० ए० हार्टवेअर मार्ट प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 27 जनवरी 1977

सं० 3422/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बी० ए० हार्टवेअर मार्ट प्रायवेट

लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पी० टी० गजवाणी
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स मजदूर चिट फन्ड कम्पनी प्रा० लिमिटेड अजमेर के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० नं० मांश्रिकी/1241/—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स मजदूर चिट फन्ड कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड अजमेर का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किए गए तो रजिस्टर से काट दिया जावेगा और कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

रामदयाल कुरील,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पुल्लमवाडी ट्रांसपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-600006, दिनांक 23 नवम्बर 1976

सं० 4144/डी एन/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पुल्लमवाडी ट्रांसपोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मणी एण्ड कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-600006, 23 नवम्बर 1976

सं० 4261/डी एन/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मणी एण्ड कम्पनी प्रायवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मद्रास इंजीनियरिंग वर्क्स प्रायवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-600006, 23 नवम्बर 1976

सं० 5108/डीएन/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मद्रास इंजीनियरिंग

वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

पी० भास्कर राव,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ओम प्रकाश जैन,
कम्पनी रजिस्ट्रार
आंध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 दि इण्डियन ओवरसीज एग्जि-
बिशन्स एण्ड पब्लिकेशनस लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० 1018/टी (560) —कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि इण्डियन ओवरसीज एग्जिबिशन्स एण्ड पब्लिकेशनस लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 भागनगर पिक्चर्स लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 29 जनवरी 1977

सं० 837/टी(560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भागनगर पिक्चर्स लिमिटेड का नाम आज

कार्यालय

आयकर आयुक्त, दिल्ली-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी 1977

आयकर स्थापना

विषय:— स्थापना-राजपत्रित-आयकर अधिकारियों (श्रेणी-2) की पुष्टि

सं० न० ई०-1/सी० आई० टी० (I)/डी० पी० सी० (श्रे० 2) कन्फर्मेशन/73-74 से 76-77/25024—श्री डी० एन० सचदेव, को दिनांक 14 अप्रैल, 1972 से रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 (बाद में संशोधित रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200) के वेतनमान में आयकर अधिकारी (श्रेणी-2) के स्थायी पद पर मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

पुष्टि की तारीख में बाद में आवश्यक होने पर परिवर्तन किया जा सकता है।

अवतार सिंह,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जनवरी 1977

निर्देश सं० 1640/76-77—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो कपूरथला रोड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चरण जीत सिंह, जगजीत सिंह डब्ल्यू० जी० 435, स्वराज गन्ज जालन्धर (अन्तरक)
2. मैसर्स प्रदीप आटो इन्डस्ट्रीज खिगरा गेट जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 743 मई 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31-1-1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जनवरी 1977

निर्देश सं० 1641/76-77—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो कि कपूरथला रोड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री चरण जीत सिंह, जगजीत सिंह डब्ल्यू० जी०-435 स्वराज गन्ज जालन्धर (अन्तरक)
2. मैसर्स प्रदीप इन्डस्ट्रीज गिल रोड लुधियाना (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 744 मई 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31-1-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 जनवरी 1977

निर्देश सं० 1642/76-77—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो गुराया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिल्लौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. श्री तारा सिंह सपुत्र श्री ज्वाला सिंह सपुत्र श्री विवान सिंह निवासी बड़ा पिन्ड तहसील फिल्लौर (अन्तरक)

2. प्रकाश कौर विधवा श्री सुचा राम सपुत्र श्री शंकर दास निवासी सपरोर नंगल तहसील फगवाड़ा मार्फत सुरीन्द्र आटो वर्क्स रेलवे रोड, फगवाड़ा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 373 मई 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिल्लौर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 31-1-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 फरवरी 1977

निर्देश सं० ए० पी० 1643/76-77—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बहादुरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहन लाल सुपुत्र श्री गुरदयाल सिंह सुपुत्र श्री अर्च्छराम राम सैनी, निवासी बहादुरपुर, होशियारपुर (अन्तरक)

2. श्री हरवंस लाल सुपुत्र श्री कृष्ण दास सुपुत्र श्री वसन्तामल्ल सूद, निवासी—बहादुरपुर, होशियारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 679 जून 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर ने लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-2-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 फरवरी 1977

निर्देश सं० ए० पी० 1644/76-77—यतः, मुझे, रवीन्द्र
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो कश्मीरी
बाजार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख जून 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्ता :—

1. श्री राम सिंह सुपुत्र श्री मन्त प्रताप सिंह सुपुत्र श्री
धर्म सिंह, निवासी—कश्मीरी बाजार, होशियारपुर (अन्तरक)

2. श्री बाबू राम सुपुत्र श्री चित्त राम सुपुत्र श्री अमी चन्द,
निवासी—आर्य नगर होशियारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1135 जून
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर ने लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 फरवरी 1977

निर्देश सं० ए० पी०/1645/76-77—यतः, मुझे, रवीन्द्र
कुमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो होशियारपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जुलाई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरतियों) के बीच ऐसी अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(घ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
3-466GI/76

1. श्री मुकुन्द लाल सप्परा ऐडवोकेट सुपुत्र श्री गणेश
दास सुपुत्र श्री साहिब राम, बाजार बकीनां, होशियारपुर
(अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा बती पत्नि श्री ओम प्रकाश सुपुत्र
श्री किशोरी लाल, कमेटी बाजार, होशियारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० वी-2-1516-3 जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 1619 जुलाई 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियार
पुर ने लिखा है।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-2-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 फरवरी 1977

निर्देश सं० ए० पी०/1646/76-77—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बंगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रकाश कौर बहिन श्री भाग सिंह निवासी—
बंगा (अन्तरक)
2. श्रीमती जागीर कौर पति श्री गुरमेल सिंह श्री निर्मल सिंह, सुपुत्र श्री भाग सिंह, बंगा (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1699 जून 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवांशहर ने लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 2-2-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 फरवरी 1977

निर्देश सं० 1647—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो करतार पुर
में स्थित है 'और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब जज प्रथम
श्रेणी जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मई 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री असवन्त सिंह सुपुत्र श्री गेर सिंह सुपुत्र गुजर सिंह
निवासी करतारपुर (अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा देवी विधवा श्री बलवन्त सिंह सुपुत्र
श्री गुजर सिंह निवासी करतारपुर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्दर्भ में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि सब जज प्रथम श्रेणी जालन्धर आई०
नं० 302 आफ 1970 तक 7-5-76 ने लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 3-2-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 फरवरी 1977

निर्देश सं० सी० एच० डी०/29/76-77—यतः, मुझे, जी० पी० सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 116, सैक्टर 20-ए है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री चरनजीत लाल भसीन पुत्र श्री मोहन लाल भसीन निवासी मकान नं० 3144 सैक्टर 27, डी चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्री सुख दयाल पुत्र श्री झंडा मल्ल निवासी मकान नं० 134, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

3. (1) नव बालू निकेतन सोसायटी द्वारा इसके सचिव श्री रवि चन्द्र, निवासी मकान नं० 1467, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ ।

(2) श्री गुलशन लाल पुत्र श्री चरनजीत लाल,

(3) श्री चूहड़ राम पुत्र श्री आत्मा राम,

(4) श्री श्याम लाल सारे निवासी मकान नं० 116, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़ ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 116, सैक्टर 20-ए, चण्डीगढ़ ।

जी० पी० सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 1 फरवरी 1977
मोहर ।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 फरवरी 1977

निदेश सं० सी० एच० डी०/36/76-77—यतः, मुझे,
जी० पी० सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भकान नं० 72, सैक्टर 2, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए खय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शील चंद जैन पुत्र श्री गोकल चंद जैन निवास खतौली, जिला मुजफ्फरनगर (यू० पी०) (अन्तरक)

2. श्री भूपिंदर सिंह पुत्र श्री मोहिंदर सिंह और श्रीमती राजकुलबीर कौर पत्नी श्री भूपिंदर सिंह दोनों निवासी मकान नं० 56, सैक्टर 9, चण्डीगढ़-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 72, सैक्टर 2, चण्डीगढ़-1।

जी० पी० सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, चण्डीगढ़

तारीख : 1 फरवरी 1977

मोहर :

रूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 1 फरवरी 1977

निदेश सं० सी० एच० डी०/38/76-77—यतः, मुझे,
जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज, चण्डीगढ़-I

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1041, सैक्टर 27-बी, है तथा
जो चण्डीगढ़ में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अगस्त, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

1. श्री हरभजन लाल पुत्र श्री दीलत राम और श्रीमती
भोली स्वरनों पत्नी श्री हरभजन लाल द्वारा उनके प्राधिकर्ता
श्री सूरज प्रकाश पुत्र श्री भीम सैन खन्ना निवासी मकान नं०
1669, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़-I (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती कलावती पत्नी श्री विद्यासागर गुप्ता,
(2) श्री सुभाष गुप्ता और
(3) श्री विनोद गुप्ता दोनों पुत्र श्री विद्या सागर
गुप्ता, निवासी मकान नं० 1066, सैक्टर
27-बी, चण्डीगढ़-I (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यवित्तों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
ध्यवित्तों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य ध्यवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 1041, सैक्टर 27-बी, चण्डीगढ़-I।

जी० पी० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 1 फरवरी 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 फरवरी 1977

निदेश सं० करनाल/14/76-77—यतः, मुझे, ग० प० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अशोक राईस इण्डस्ट्रीज का 1/3 भाग है तथा जो हांसी रोड नजदीक शमशान घाट करनाल में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री नरेश कुमार } पुत्र श्री प्रेमनाथ
- (2) श्री अनिल कुमार } उर्फ प्रेम चन्द
- (3) श्रीमती पद्मा रानी विधवा प्रेम चन्द, तथा

(4) श्री सुरेश चन्द पुत्र श्री प्रेम चन्द द्वारा मुख्तियारे आम श्री दीपक दीवान पुत्र यादो राम, 2, नई मार्किट, करनाल (अन्तरक)

2. श्री प्रेम चन्द पुत्र श्री मांगे राम, दुकान नं० 64, नई मण्डी, करनाल। (अन्तरिती)

4. (1) श्री नरेल चन्द, और

(2) श्री पोखर मल पुत्र श्री मांगे राम, दुकान नं० 64, नई मण्डी, करनाल।

(3) श्री सिरि राम पुत्र गोपाल दास महाजन अग्रवाल निवासी असंध तह० व जिला करनाल।

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि अशोक राईस इण्डस्ट्रीज के नाम से जानी जाती है उसका सभी इमारतों सहित भूमि क्षेत्रफल 11427 वर्ग गज का 1/3 भाग, जिसका खसरा नं० 1514 और 1515 है, और जो हांसी रोड नजदीक शमशान घाट करनाल में स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्न लिखित हैं :—

उत्तर—भूमि श्रीमती बलवन्त कौर आदि

दक्षिण—सुरेश राईस मिल्ज

पूर्व—हांसी रोड और मेन गेट

पश्चिम—भूमि श्रीमती बलवन्त कौर आदि।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4896 जून 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है।

ग० प० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 3 फरवरी 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 फरवरी 1977

निर्देश सं० करनाल/40/76-77—यतः मुझे, ग० प० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अशोक राईस इण्डस्ट्रीज का 1/3 भाग है तथा जो हांसी रोड नजदीक शमशान घाट करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कैलाश चन्द पुत्र श्री बनारसी दास, दुकान नं० 3, नई मण्डी, करनाल । (अन्तरक)
2. श्री नरेश चन्द पुत्र श्री मांगे राम दुकान नं० 64, नई मण्डी, करनाल । (अन्तरिती)

3. (1) श्री प्रेम चन्द और

(2) श्री पोखर मल पुत्र श्री मांगे राम, दुकान नं० 64 नई मण्डी, करनाल ।

(3) श्री सिरि राम पुत्र गोपाल दास महाजन अग्रवाल निवासी असन्ध, तह० व जिला करनाल ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि अशोक राईस इण्डस्ट्रीज के नाम से जानी जाती है उस का सभी इमारतों सहित भूमि क्षेत्रफल 11427 वर्ग गज का 1/3 भाग, जिसका खसरा नं० 1514 और 1515 है, और जो हांसी रोड नजदीक शमशान घाट करनाल में स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं :—

उत्तर—भूमि श्रीमती बलवन्त कौर आदि ।

दक्षिण—सुरेश राईस मिल्ज ।

पूर्व—हांसी रोड और मेन गेट ।

पश्चिम—भूमि श्रीमती बलवन्त कौर आदि ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5209 जून 1976 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में लिखा है ।

ग० प० सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 3 फरवरी 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 3 फरवरी 1977

निदेश सं० करनाल/41/76-77—यतः, मुझे, ग० प० सिंह,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, चण्डीगढ़,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अशोक राईस इण्डस्ट्रीज का 1/3 भाग है
जो हांसी रोड नजदीक शमशान घाट करनाल में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4-466 GI/76

1. श्री मदन लाल पुत्र श्री बनारमी दाम अग्रवाल, दुकान
नं० 3, नई मार्केट, करनाल। (अन्तरक)

2. श्री पोखर मल पुत्र श्री मांगे राम, दुकान नं० 64,
नई मण्डी, करनाल। (अन्तरिती)

4. (1) श्री प्रेम चन्द व नरेश चन्द पुत्र श्री मांगे राम,
दुकान नं० 64, नई मण्डी, करनाल;

(3) श्री सिरि राम पुत्र गोपाल दास महाजन अग्रवाल,
निवासी असन्ध, तह० ब जिना करनाल।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो कि अशोक इण्डस्ट्रीज के नाम से जानी जाती
है उसका सभी इमारतों सहित भूमि क्षेत्रफल 11427 वर्ग
गज का 1/3 भाग, जिसका खसरा नं० 1514 और 1515
है, और जो हांसी रोड नजदीक शमशान घाट करनाल में
स्थित है और जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं:—

उत्तर—भूमि श्रीमती बलवन्त कौर आदि।

दक्षिण—सुरेश राईस मिल्स।

पूर्व—हांसी रोड और मेन गेट।

पश्चिम—भूमि श्रीमती बलवन्त कौर आदि।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 5322 जून 1976
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी करनाल के कार्यालय में
लिखा है।

ग० प० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 3 फरवरी 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल कार्यालय

भोपाल, दिनांक 28 जनवरी 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० एन० बी०/भोपाल/76-77—
यतः मुझे, बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० खुली भूमि है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 17-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्रीमन्त माधव राव सिंधिया पुत्र स्व० माहाराजा
जीवाजी राव सिंधिया, निवासी ग्वालियर (अन्तरक)

2. बसंत बिहार सहकारी संस्था मर्यादित द्वारा प्रेसिडेंट
श्री हरी प्रसाद अग्रवाल निवासी बिरला नगर, ग्वालियर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि क्षेत्रफल 8, 02,650 वर्गफुट स्थित "जय
बिलास पैलेस" ग्वालियर।

बी० के० सिन्हा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 28-1-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री जयन्ती भाई पुत्र श्री नारायण जी भाई पटेल निवासी
35, शीलनाथ कैम्प, इन्दौर (अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल कार्यालय

भोपाल, दिनांक 18 जनवरी 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77--
यतः, मुझे, बी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-7-1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

2. श्री सुदर्शन कुमार वन्दी निवासी 10, गुरु गोविन्द
सिंह मार्केट, फस्ट फ्लोर, सिख मोहल्ला, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 18, स्थित ज्ञायमंड क्लब पूर्व में यह म्यूनििसीपल
नं० 5/1 का भाग था स्थित रोशन सिंह भंडारी मार्ग, इन्दौर।

बी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 18-1-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

1. श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री बमबारी लाल दगवी निवासी
50, राधा नगर, इन्दौर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल कार्यालय

भोपाल, दिनांक 19 जनवरी 1977

2. श्री अवतार सिंह (2) श्री अजीत सिंह पुत्र श्री सुजान
सिंह तुतेजा दोनों निवासी 97, गोपाल बाग कालोनी, इन्दौर
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77—
यतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-8-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

मकान स्थित प्लॉट नं० 97, गोपाल बाग, मानिक बाग
रोड, इन्दौर।वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपालतारीख : 19-1-1977
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 जनवरी 1977

निवेश सं० आई० ए०सी० ए०वी०/भोपाल/76-77/788—
यतः, मुझे, बी० के० सिन्हा,

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो बालाघाट में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
30-8-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत धिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,
मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व,
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती माल्ती बाई पत्नी श्री मनोहर बूती निवासी
वार्ड-नं० 7, बालाघाट ।

2: (अ) श्री मुलामचन्द पुत्र श्री गुलजारी लाल जैन निवासी
बूती चाल वार्ड नं० 7, बालाघाट । (अन्तरक)

(ब) श्री तारा चन्द पुत्र श्री दुलीचन्द जैन निवासी वार्ड
नं० 9, बालाघाट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्त—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 262/168 क्षेत्रफल 10,000 वर्गफुट
स्थित बूती चाल, वार्ड नं० 7, बालाघाट ।

बी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 29-1-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 29 जनवरी 1977

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू०-23-7-1165 (558)/11-4/
75-76—यतः, मुझे, जे० कथूरिया

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 752 से 759 तक तथा 765 से 772
तक, सिटी सर्वे वार्ड-3, है, तथा जो महात्मा गांधी रोड तथा नई
एस० टी० बस स्टेन्ड रोड, पोरबंदर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (i) श्री भगवान दास परपोत्तम, माणिक चौक,
पोरबंदर

(ii) श्री हरगोविंद दास विठ्ठलदास, मस्जिद बंदर
रोड, गया बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, बम्बई-3
(अन्तरक)

- (1) नरसी रामजी जुंगी, हरि भुवन, महात्मा गांधी
रोड, पोरबंदर,
(2) श्री बाबूलाल वेलजी सिध्दव,
मारफत : मैसर्स वेलजी पी एण्ड सन्स, बंदर,
पोरबंदर,
(3) श्री हरिलाल आनंद लाल लखाणी, भारत
मोटर वर्क्स, पोरबंदर (अन्तरिती)
(3) (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

- वानंद गोरधनदास गोकलदास
- श्री मोहनलाल कालीदास राधाणी,
- श्री पटेल जादवजी लीकमजी,
- श्री रामजी मावजी धमेलिया,
- वरजी रामजी लालजी,
- धोबी कारा रतनणी, हरि भुवन, महात्मा
- श्री खुशेंद्र कुमार नेतशीभाई गांधी रोड तथा नई
- श्री भणई दयालाल देवाजी, एस० टी० बस स्टेन्ड
- वानंद गोरधन गीगा, रोड, पोरबंदर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 1050.7.11 वर्ग गज भूमि पर
स्थित है, तथा जिसका सिटी सर्वे वार्ड नं० 3, सर्वे नं० 752
से 759 तक तथा 765 से 772 तक है तथा जो हरि भुवन
के नाम से प्रसिद्ध है तथा जो महात्मा गांधी रोड तथा नई
एस० टी० बस स्टेन्ड रोड पर, पोरबंदर में स्थित है ।

जे० कथूरिया,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 29-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1977

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-1208(559)/5-1/
75-76—यतः, मुझे, जे० कपूरिया

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 254/3, है तथा जो बडवा, भावनगर
में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 11-7-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दस्तद्विक रूप से वक्षित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में बर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नाना लाल कुबेरजी शाह, जेल रोड, भावनगर
(अन्तरक)

2. दक्षिण विभाग नं० 2 मालधारी घरबांधनारी महकारी
मंडली लि० भावनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक खेती वाली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एकड़,
2 गुंठा है तथा जिसका सर्वे नं० 254/3 है तथा जो बडवा,
भावनगर में स्थित है।

जे० कपूरिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 2-2-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जनवरी 1977

निर्देश सं० अभिग्रहण/287/हापुड़/76-77/309—यतः,
मुझे, एल० एन० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची अनुसार
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जनार्दन कृपाल पुत्र श्री बी० दाऊ दयाल व
श्री मोहन पुत्र श्री जनार्दन कृपाल निवासी रेबती कुंज रेलवे
रोड, हापुड़, जिला मेरठ (अन्तरक)

2. श्री विजय प्रकाश पुत्र श्री ला० रघुबीर शरण जी
जाति वैश्य अप्रवाल निवासी कस्बा हापुड़ मोहल्ला मोली गंज
फर्स्ट, जिला मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति बिल्डिंग का 1/2 भाग रकबा 593 वर्ग
गज बाकै मुहल्ला रेबती कुंज रेलवे रोड, हापुड़, जिला मेरठ,
40,500 रु० मूल्य में हस्त अन्तरित की गई है।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-1-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जनवरी 1977

निर्देश सं० अभिग्रहण/219/गाजियाबाद/76-77/310—

अतः मुझे, एल० एन० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 जुलाई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
5-466GI/76

1. श्री एम० क्रेकबल निवासी बी० मंसूरी पो० दासना,
तहसील गाजियाबाद, मेरठ द्वारा मुक्तथारग्राम ए० क्रेकबल
(अन्तरक)

2. श्री हाजी नाजिर अहमद पुत्र तोला खां (2)
अनवर अली (3) अखतर अली (4) अहसान अली ((5)
उसमान अली पुत्रराण हाजी नाजिर अहमद (6) बेगम
साहिबा बेवा अहसान अली निवासीगण बी० मंसूरी तहसील
गाजियाबाद जिला मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आपक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित
है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति आबादी भूमि रकबा 15,000 वर्ग गज
नम्बर 686 बाकें बी० मंसूरी, पो० दासना तहसील गाजिया-
बाद जिला मेरठ, 2,75,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की
गई है।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक 28 जनवरी 1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभियग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जनवरी 1977

निर्देश सं० अभियग्रहण/366/रुड़की/76-77/219—अतः मुझे, एल० एन० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25 मई 1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1. श्री प्रेम चन्द गुप्ता पुत्र स्व० श्री शोभा राम नि० 48, सिविल लाइन्स कस्बा रुड़की, पर० व डा० व तह० रुड़की जिला सहारनपुर मुख्तयारेआम मिबालिक फर्म एम० एस० जे० एण्ड कम्पनी खन्जरपुर, रुड़की जिला सहारनपुर (अन्तरक)

2. श्रीमती शशी कुमारी पत्नी श्री जितेन्द्र कुमार निवासी 180/14, शीलकुंज, रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की पर० व डा० व० तह० रुड़की, जिला सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति एक किता प्लाट रकबा 12,600 वर्ग फिट खसरा नं० 355 और 356 बाकै निकट रेलवे स्टेशन रुड़की, 37,800 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक 28 जनवरी 1977।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जनवरी 1977

निर्देश सं० अभिग्रहण/294/कैराना/76-77/306—अतः,
मुझे, एल० एन० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय,
कैराना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 2 जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सत्य प्रकाश पुत्र साबू लाल निवासी शामली
डा० खाम परगना शामली तह० कैराना जिला मुजफ्फरनगर
(अन्तरक)

2. श्री देवेन्द्र कुमार जैन पुत्र छोटन लाल जैन
निवासी शामली डा० खाम पर० शामली तह० कैराना जिला
मुजफ्फरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति बिल्डिंग का 1/2 भाग रकबा 154 वर्ग
मीटर बाकै शामली धीमानपुर परगना शामली तह० कैराना
जिला मुजफ्फरनगर, 35,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की
गई है।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक 28 जनवरी 1977।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 जनवरी 1977

निर्देश सं० अभिग्रहण/293/कैराना/76-77/308—अतः,
मुझे, एल० एन० गुप्ता
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची
के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कैराना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 2 जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सत्य प्रकाश पुत्र श्री बाबू लाल निवासी शामली
डा० खास पर० शामली तह० कैराना जिला मुजफ्फरनगर
(अन्तरक)

2. श्री सुशील कुमार जैन पुत्र श्री छोटन लाल जैन
निवासी शामली डा० खास पर० शामली, तह० कैराना
जिला मुजफ्फरनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधर
किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है;
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति बिल्डिंग का 1/2 भाग रकबा 154 वर्ग
मीटर बाकै शामली धीमानपुर परगना शामली तह० कैराना
जिला मुजफ्फरनगर, 35,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की
गई है।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक 28 जनवरी 1977।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 31 जनवरी 1977

निर्देश सं० अभिग्रहण/367-ए०/मसूरी/76-77/307---

अतः, मुझे, एल० एन० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंसूरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6 जुलाई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती हर हाईनेस महारानी उर्मिला देवी पत्नी हिज हाईनेस श्री परताप सिंह निवासी नं० 6 पंचशील मार्ग बाणक्यपुरी न्यू देहली द्वारा श्री सुशील कुमार बोहरा पुत्र श्री पी० एल० बोहरा निवासी रीगल बिल्डिंग पार्लियामेंट स्ट्रीट न्यू देहली। (अन्तरक)

2. श्रीमती राज कौशिलया पत्नी श्री कृष्ण देव निवासी नवाब गन्ज शोंडा हाल निवासी दिलबहार एस्टेट सरदार हरमन सिंह रोड, मंसूरी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबल सम्पत्ति एक किता दो मंजिला मकान रकबा 2171 वर्ग फीट बाकै दिलबहार एस्टेट, सरदार हरमन सिंह रोड चारखेविली, मंसूरी, 40,000 रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 31 जनवरी 1977।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 फरवरी 1977

सं० आर० ए० सी० 216/76-77—अतः, मुझे, के०
एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० सर्वे नं० 448-ई० है, जो मोदामादीपली जिला
प्रोवाटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रोवाटूर
तालुका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 21 जून 1976 को

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पथा कोन्टा अनियास गोलकोन्डा उबुल रेड्डी पिता
उबुल रेड्डी मोदामोदी पिता गांव प्रोवाटूर तालुका कुडप्पा जिला
(अन्तरक)

2. (1) डोरनाला बालीरेड्डी-पिता बालीरेड्डी (2)
डोरनाला गुरबी रेड्डी पिता बालीरेड्डी मोदा मादी पली गांव
प्रोवाटूर तालुका जिला कुडप्पा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सूची जमीन सर्वे नं० 448-ई० मोदामादी पली गांव प्रोवाटूर
तालुका जिला कुडप्पा और बचर्गा दस्तावेज नं० 2398/76 सब-
रजिस्ट्रार कार्यालय प्रोवाटूर में जुमला जमीन 10-50 सेंस।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 2 फरवरी, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 फरवरी 1977

सं० आर० ए० सी० 217/76-77—अतः मुझे, के०
एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 7-2-686 से 688 है, तथा जो सुभाष
रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अभिधकारी के कार्यालय,
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक जून में 1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. थोसीके पनडरी-पिता चिनाबालीजी रैजीमेंटल बाजार,
सिकन्दराबाद। (अन्तरक)

2. श्री विटलराउ उनडरी पिता ओमाजी राउ उनडरी
अगउल नदी अन्विल तालुक मेडक जिला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तलमनपाला और पडलामनजला नं० 7-2-686 ता 688
सुभाष रोड, सिकन्दराबाद रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में
दस्तावेज नं० 717/76।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 2 फरवरी, 1977।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 फरवरी 1977

निर्देश सं० 31/जून/76-77---प्रतः, मुझे, जी० रामा-
नाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और ज़िम्की सं० 169/1, 2 और 173 है, तथा जो वेलूर
गांव सेलम जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय वेलूर (पत्र सं० 861/76) में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जन
1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री अर्दनारी और आदी (अन्तरक)

2. श्रीमती सेन्तमिल सेलवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, वेलूर गांव एस० सं० 169/1 (0.09
एकड़), 169/2/0.23 एकड़) और 173 (0.80-1/2
एकड़) में 1.12-1/2 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

दिनांक : 1 फरवरी, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास दिनांक 20 जनवरी 1977

निर्देश सं० 101 जून/76-77—अतः, मुझे, जी० रामा-
नाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 51/3-बी० है तथा जो कम्बम में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कम्बम (पत्र सं० 1501/
76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जून 1976 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—446GI/76

1. श्री मल्लपन और आदि (अन्तरक)

2. श्री टी० एम० के० मुन्नामनियम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मदुरै जिला, कम्बम एस० सं० 51/3-बी० में 1.03
एकड़ खेती की भूमि ।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास ।

दिनांक 20 जनवरी 1977 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 फरवरी 1977

निर्देश सं० 109/जून/76-77—अतः मुझे, जी० रामानाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एफ० 100 फेरलेन्डम, सेलम है तथा जोमें स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सेलम (पत्र सं० 1942/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मनोरन्जीतम और आदि

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० चिन्नम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, अलगपुरम गांव, फेरलेन्डस डोर सं० एफ० 100 (एस० सं० 84/1) में 7551 स्क्वयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास।

दिनांक 1 फरवरी 1977।
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एल० राजगुरु

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मुरुगन फ़ैर ऊर्कस ईन्डस्ट्रीस।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1977

निर्देश सं० 49/जून/76-77:—यतः मुझे, जी० रामानाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 344/1ए०, 349/1, 332/7, 332/5ए०,
332/5 बी० है, जो विस्वनातम गांव में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सिवकासी पत्र सं० 1227/76) में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सिवकासी विस्वनातम गांव एम० सं० 344/1ए (9.22
एकड़), 349/1 (2.68 एकड़), 332/7 (0.50 एकड़),
332/5ए० (1.78 एकड़), 322/5 बी० (1.78 एकड़)
में 15.96 एकड़ की भूमि।

जी० रामानाथन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 20 जनवरी 1977

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

श्री करुणैया अचारी और आदी

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

श्री पालराज नाडार

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1977

निदेश सं० 50/जून/76-77 :—यतः, मुझे, जी रामानाथन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 479/3ए और 3बी है, जो पुनूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सेलूर (पत्र सं० 398/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजपालयम तालुक पुनूर गांव एस सं० 479/3ए और 3बी में 6.22 एकड़ खेती की भूमि (क्षरना के साथ 3/4 भाग)

जी रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 15-1-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

श्रीमती हलीमा

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

श्री सिवकुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1977

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 100/जून/76-77—यतः, मुझे, जी रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 1818, 1819 और 1820 है, जो कम्बम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कम्बम (पत्र सं० 1531
/76 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 7-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मदुरै जिला, कम्बम एस सं० 1820 (2.26 एकड़),
1819 (0.37), और 1818 (3.37 एकड़) में 6 एकड़
खेती की भूमि।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 20-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

(1) श्रीमती हलीमा । (अन्तरक)

(2) श्रीमती विजया । (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास दिनांक 20 जनवरी 1977

निवेश सं० 103/जून/76-77—यतः, मुझे, जी० रामनाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1818, 1805/1, 1806 और 1804 है, जो
कम्बम में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कम्बम (प्लॉट सं० 1603/
76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन जून 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै जिला, कम्बम, एम० सं० 1818 (1.61 एकड़),
1805/1 (1.81 एकड़), 1806/(2.17 एकड़), और
1804 (0.29 एकड़) में 5.88 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 20 जनवरी 1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्रीमती टी० आशीषा बी० (अन्तरक)

(2) श्री ए० अब्दुल गफ्फर। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1977

निदेश सं० 6/सितम्बर/76-77—यतः, मुझे, जी० राम-
नाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 80 है, जो पेरियवरिवाक्कम में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अम्बूर (पत्र सं० 1288/76) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर,
1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नार्त आरकाट जिला, पेरियवरिवाक्कम गांव एस० सं० 80
में 4.99 एकड़ खेती की भूमि।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 29 जनवरी, 1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1977

निदेश सं० 8/सितम्बर/76-77—यतः, मुझे, जी० राम-
नाथन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख,
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 81, परियवरिवाक्कम और 1, 2, 6 का है, जो
तुतियापेट गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बूर
(पत्र सं० 1290/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती टी० आयीणा वीवी । (अन्तरक)

(2) श्रीमती मुमतास बीगम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

(1) नार्त आरकाट जिला, पेरियवरिवाक्कम गांव एस०
सं० 81 में 1.95 एकड़ खेती की भूमि ।

(2) नार्त आरकाट जिला, तुतियापेट गांव एस० सं० 1
(1.57 एकड़), 2(0.99 एकड़), 6(0.96 एकड़), 7(0.61
एकड़), और 322/4(0.18 एकड़) में 4.31 एकड़ खेती की
भूमि ।

जी० रामानाथन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 29 जनवरी 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II

मद्रास-600006, दिनांक 2 फरवरी 1977

निदेश सं० 5326/76-77—यतः, मुझे, एम० राजरटनम, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डोर सं० 5, पिरम्बूर बेरक्स रोड, मद्रास 12 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-II मद्रास (डाकुमेण्ट 3135/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधि-अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7—466GI/76

- (1) श्री जनाब काका मोहम्मद जुबेर (अन्तरक)
- (2) ए० हबिबूर रहमान मन्म, (श्री ए० मोहम्मद अशरफ के द्वारा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 12, पिरम्बूर बेरक्स रोड, डोर सं० 5 में 11324 स्कुयर फीट (मकान के साथ) । (नया एस० सं० 1856/17, ब्लाक 29, पुरसवाक्कम) ।

एम० राजरटनम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 2 फरवरी 1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

काकिनाडा, दिनांक 28 जनवरी, 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 378—यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6/210 बी० 9-21-105 है, जो राजमन्ड्री में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राममन्ड्री में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—

1. (1) श्री आलमपुरी नारयण मूर्ती (2) आलमपुरी राज्यलक्ष्मी गरटाला,
(अन्तरक)
2. श्रीमती पोलु वनजलक्ष्मी, राजमन्ड्री।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवहियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजमन्ड्री रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-76 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1565/76 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति।

बि० वि० सुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 28 जनवरी 1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

काकिनाडा, दिनांक 28 जनवरी 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 379—यतः, मुझे, बि० वि०
सुब्बाराव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 6/210 बी० 9-21-105 है, जो राजमन्ड्री
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजमन्ड्री में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री आलमूरी नारयण मूर्ती, (2) आलमूरी
राजय लक्ष्मी गरटाला । (अन्तरक)

2. पोलु बेंगला रेड्डी, राजमन्ड्री (अन्तरिती)

3. श्रीमती पोलुवनज लक्ष्मी ऐटल विक्रम, राजमन्ड्री ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

राजमन्ड्री रजिस्ट्री अधिनियम में पाक्षिक अंत 15-6-76 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1566/76 में निगमित अनुसूची सम्पत्ति ।

बि० वि० सुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख : 28 जनवरी 1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

काकिनाडा, दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 381—यतः मुझे, बि० वि० सुब्बाराव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है
(और जिसकी सं० 105 और 60/1 है, जो बि० कोत्तूर में स्थित है
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिठापुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6-1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री चेन्नूभोल्ल राधाकृष्ण मूर्ती (2) चेन्नूभोल्ल
अच्युता रामय्या काकिनाडा (अन्तरक)
3. श्रीमति संगिसेट्टी लक्ष्मीकान्तम, बि० कोत्तूर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

पिठापुरम रजिस्ट्री अधिनियम से पाक्षिक अंत 15-6-76
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1313/76 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ती।

बि० वि० सुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकिनाडा

तारीख: 31 जनवरी 1977
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. (1) श्री चेन्नुभोटला राधाकृष्णमूर्ती, (2) चेन्नुभोटला
अय्युत्तरामय्या, काकिनाडा। (अन्तरक)आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना2. श्रीमती संगिसेट्टी कांतम बि० कोत्तूर।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

काकिनाडा, दिनांक 31 जनवरी 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 380—यतः, मुझे, बि० वि०
सुब्बाराव,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जमकी सं० 93 और 95 है, जो बि० कोत्तूर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिठापुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-6-1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

पिठापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-76 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1315/76 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ति।बि० वि० सुब्बाराव,
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एम० वि० काकिनाडा

तारीख : 31 जनवरी 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 फरवरी 1977

निर्देश सं० 140-एस/अर्जन—यतः, मुझे, अमर सिंह
बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 127-ए है तथा जो सिविल लाइन,
बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
8-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कैलाश चन्द्र (अन्तरक)
2. श्री सुरेश कुमार चौपड़ा (अन्तरिती)
3. बिजेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक कोठी नम्बर 127-ग जो सिविल लाइन बरेली में
स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 1-2-1977

मोहर :

अधीनस्थ सेवा आयोग

विज्ञापन

लिपिक श्रेणी परीक्षा (ग्रुप घ कर्मचारियों के लिए), 1977

दिनांक 19 फरवरी 1977

सं० 13/5/76-ई० ए०—उपर्युक्त विभागीय, प्रतियोगिता परीक्षा अधीनस्थ सेवा आयोग द्वारा 2 सितम्बर, 1977 को दिल्ली तथा विदेशों में स्थित चुने हुए भारतीय मिशनों में केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, मशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा के अवर ग्रेड में, भारतीय विदेश सेवा (ख) की श्रेणी VI में तथा संसदीय कार्य विभाग, नई दिल्ली में लिपिकों के पदों में अस्थायी रिक्तियों को भरने के लिए ली जायेगी। यह परीक्षा उपर्युक्त सेवाओं में आने वाले मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों में काम करने वाले ग्रुप घ कर्मचारियों के कुछ वर्गों के लिए ही सीमित है जो कि निम्नलिखित शर्तों को पूरा करते हैं :—

(क) सेवा अवधि : 1 जनवरी 1977 को ग्रुप घ में या उससे ऊंचे पद पर कम से कम पांच वर्ष की प्रमाणित और लगातार सेवा कर चुके हों।

(ख) आयु : 1 जनवरी, 1977 को 45 वर्ष से अधिक नहीं हों। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जाति

उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट होगी।

(ग) शैक्षणिक योग्यता : वे मैट्रिकुलेशन या उसके समकक्ष परीक्षा पास कर चुके हों।

इस परीक्षा के लिए उम्मीदवारों को कोई फीस नहीं देनी होगी।

पूरे विवरण तथा आवेदन-पत्र अधीनस्थ सेवा आयोग, पश्चिम ब्लॉक 1, रामकृष्णपुरम् नई दिल्ली-110022 को 1.00 रुपये (रिकाडिड डिलीवरी सिस्टम द्वारा आवेदन-पत्र मंगवाने के लिए 2.00 रुपये) के रेखित (प्राप्त कर्तालेखा) भारतीय पोस्टल आर्डर, जो अधीनस्थ सेवा आयोग को रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाक घर, नई दिल्ली पर देय हो, भेजकर अथवा आयोग के कार्यालय के बिक्री काउंटर पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।

भरे हुए आवेदन-पत्र आयोग को 21 अप्रैल, 1977 (विदेशों में तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए 5 मई, 1977) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

मदन लाल,
सचिव

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 1st February 1977

No. F.6/77-SCA(I).—Shri Amreek Singh, Librarian, Supreme Court of India retired from the services of this Registry with effect from the afternoon of 31st January 1977.

R. SUBARAO,
Deputy Registrar (Admn.)

New Delhi, the 1st February 1977

No. F.2/77-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to confirm and appoint Shri R. Subba Rao substantively in the post of Deputy Registrar, Supreme Court of India with effect from the forenoon of 28th January 1977.

S. K. GUPTA,
Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
ADMINISTRATION-1 SECTION

New Delhi-110011, the 16th December 1976

No. P/1877-Admn.I.—Dr. R. Bhaskaran, Lecturer in the Calicut Regional Engineering College, Calicut, who was earlier appointed as Under Secretary in the Office of the Union Public Service Commission for a period of two months w.e.f. the forenoon of 13th October 1976, vide UPSC notification of even number dated 19th November 1976 has been further appointed to the post of Under Secretary upto 12th October 1978 (A.N.), or until further orders whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary,
for Chairman Union Public Service Commission.

New Delhi-110011, the 29th December 1976

No. A.12019/5/74-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis as Junior Analyst in the Commission's office for the period from 3rd January 1977 to 28th February 1977 or until further orders whichever is earlier.

2. Shri Chhabra will continue to be on deputation to an *ex-cadre* post of Junior Analyst and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E-III/60, dated the 4th May 1961 as amended from time to time.

The 7th January 1977

No. A.12019/1/75-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Jagdish Lal, Assistant Superintendent (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis, as Section Officer (D.P.) in the Commission's Office for the period from 23rd December 1976 to 28th February 1977, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary
for Secretary
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 12th January 1977

No. A.32014/1/76-Admn.III(1).—The President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 16th December 1976 to 30th January 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(2).—The President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant

of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a period from 3rd January 1977 to 28th February 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(4).—The President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 53 days from 31st December 1976 to 21st February 1977 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(5).—The President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 53 days from 31st December 1976 to 21st February 1977 or until further orders, whichever is earlier.

The 20th January 1977

No. A.32014/1/76-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri R. L. Madan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 17th January 1977 to 3rd March 1977 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secy.
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT
DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 31st January 1977

No. A-19036/19/76-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation, Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri N. K. Tripathi, an officer of Rajasthan State Police as officiating Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, on deputation, with effect from the forenoon of 10th January 1977 until further orders.

P. S. NIGAM,
Administrative Officer (E)
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 7th January 1977

No. E-16013(2)/12/73-Pers.—On repatriation to his parent cadre on completion of his term of deputation Shri B. J. Misar, IPS (Maharashtra-1958) relinquished the charge of the post of Group Commandant, Group HQrs. CISF, Bombay with effect from the afternoon of 30th November 1976.

The 14th January 1977

No. E-16013(2)/8/74-Pers.—On repatriation to his parent State on the expiry of his term of deputation Shri A. V. B. Mudaliar, IPS (Mah.-1964) relinquished the charge of the post of Commandant, CISH Unit FCI Trombay with effect from the afternoon of 3rd December 1976.

No. E-38013(3)/17/76-Pers.—The President is pleased to appoint Inspector N. K. Anand to officiate as Assistant Commandant, CISF Unit, IPCL, Baroda, with effect from the forenoon of 4th October 1976 until further orders and assumed the charge of the said post with effect from the same date.

The 20th January 1977

No. E-16013(2)/2/77-Pers.—On transfer on deputation from M.P. State Police Shri Narendra Prashad, IPS (M.P.-1962), assumed the charge of the post of Asstt. Inspector General, CISF with Hqrs. at New Delhi with effect from the afternoon of 17th January 1977.

The 22nd January 1977

No. E-38013(2)/7/76-Pers.—On transfer to Delhi Shri G. R. Khosla, Comdt, CISF Unit KCP Khetri, relinquished the charge of the said post with effect from the forenoon of 17th day of September 1976.

No. E-38013(3)/17/76-Pers.—The President is pleased to appoint Inspector S. N. Singh to officiate as Asstt. Comdt., CISF Unit Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the afternoon of 27th November 1976, until further orders and assumed the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(3)/17/76-Pers.—On transfer from Durgapur, Shri J. L. Sharma relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit Durgapur Steel Plant, Durgapur, with effect from the forenoon of 29th September 1976 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, F.C.I., New Jalpaiguri with effect from the forenoon of 2nd October 1976.

The 30th January 1977

No. E-38013(3)/17/76-Pers.—The President is pleased to appoint Inspector J. L. Sharma to officiate as Assistant Commandant, CISF Unit, Durgapur Steel Plant, Durgapur, with effect from the forenoon of 7th September 1976 until further orders and assumed the charge of the said post with effect from the said date.

L. S. BISHT
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 28th January 1977

No. 11/13/75-Ad.I.—The President was pleased to replace the services of Shri H. P. Rymbai at the disposal of the Government of Meghalaya with effect from the afternoon of 3rd January 1977. Shri Rymbai relinquished charge of the office of the Assistant Director of Census Operations, Meghalaya with effect from the same date.

The President was also pleased to appoint Shri V. P. Rustagi, Investigator in the office of the Registrar General India as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Meghalaya on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the afternoon of 3rd January 1977 upto 28th February 1977.

The headquarters of Shri Rustagi will be at Shillong.

The 29th January 1977

No. 11/4/76-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 16th September 1976 and on the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to continue the appointment of Shri R. Y. Revashetti, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Karnataka as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on an *ad-hoc* basis with effect from 1st January 1977 upto 28th February 1977 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

2] The headquarters of Shri Revashetti will continue to be at Bangalore.

No. 11/4/76-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 16th September 1976 and on the recommendation of the Union Public Service Commission, The President is pleased to continue the appointment of Shri 8—466GI/76

D. P. Chatterjee, Investigator in the office of the Director of Census Operations, West Bengal as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on an *ad-hoc* basis with effect from 1st January 1977 upto 28th February 1977 or till the post is regularly filled up, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Chatterjee will continue to be Calcutta.

No. 11/4/76-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 16th September 1976 and on the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to continue the appointment of Shri R. E. Choudhari, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on an *ad-hoc* basis with effect from 1st January 1977 upto 28th February 1977 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Choudhari will continue to be at Bombay.

BADRI NATH,
Dy. Registrar General, India and
ex-officio Dy. Secy.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, WEST BENGAL

Calcutta-1, the 29th January 1977

No. Admn. I/947-11/5158-5127.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint the following officiating Accounts Officers borne on the Joint Cadre of this office and the office of the Accountant General, Central, Calcutta in substantive capacity in the Accounts Officer's grade with effect from the date noted against each.

Serial No.	Name of the officer	Date of confirmation
S. Shri		
1.	Manish Chandra Sengupta	1-2-76
2.	R. Kalyanaraman	1-4-76
3.	Prabhat Kr. Biswas	1-6-76
4.	Nirode M. Banerjee	1-9-76
5.	Sailendra Narayan Das	1-9-76
6.	Narayan Chandra Modak	4-9-76
7.	Monoranjon Das Mahapatra	1-1-77
8.	Sadananda Chakraborty	1-1-77

S. C. SINGHAL
Sr. Dy. Accountant General
(Admn)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 27th January 1977

No. 86016(14)/76-AN-II.—The President is pleased to appoint Shri N. Gopalan, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000), with effect from 5th January 1977 (FN), until further orders.

The 31st January 1977

No. 18288/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri Har Narain Malhotra, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from 30th September 1977 (AN).

P. K. RAMANUJAM,
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 31st January 1977

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
ESTABLISHMENT

No. 6/1125/76-Admn(G)/634.—On attaining the age of superannuation Shri P. K. Seal officiating Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta relinquished charge of that post on the afternoon of the 31st December 1976.

A. S. GILL,
Chief Controller of Imports and Exports

DEPARTMENT OF SUPPLY

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF ACCOUNTS

New Delhi, the 2nd February 1977

No. Admn(CDN)O.O./93.—The Chief Controller of Accounts with the concurrence of Controller General of accounts, Ministry of Finance has been pleased to accept the resignation of Shri B. M. L. Kapoor, Accounts Officer in the office of the Dy. Controller of Accounts, Department of Supply, Bombay w.e.f. 15-1-1977 A.N. The name of Shri B. M. L. Kapoor has, therefore, been struck off from the rolls of C.C.A.'s Organisation w.e.f. 15th January 1977 A.N.

JAI LAL,
Dy. Controller of Accounts

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 29th January 1977

No. A-1/1(82).—On his reversion to the post of Director (Grade I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, Shri P. P. Kapoor relinquished charge of the office of Deputy Director General with effect from the afternoon of 18th December 1976.

The 1st February 1977

No. A-1/1(1073).—On his reversion to the non-gazetted post of Superintendent in the office of the Directorate of Supplies (Textiles), Bombay Shri D. R. Mane relinquished charge of the post of Assistant Director (Grade II) in the Directorate of Supplies (Textiles), Bombay with effect from the afternoon of 19th January 1977.

KIRAT SINGH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 27th January 1977

No. A-17011/116-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri Gurmukh Singh, permanent Examiner of Stores (Tex.) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Tex.) in the same Inspectorate under this Directorate General w.e.f. the forenoon of 3rd January 1977, until further orders.

SURYA PRAKASH,
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 27th January 1977

No. 14/76/19A.—Shri D. K. Roy Chowdhury, Cost Accountant (ad-hoc), Geological Survey of India is appointed as Cost Accountant in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30th November 1976, until further orders.

V. K. S. VARADAN,
Director General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 31st January 1977

No. F.11-14/76-A.1.—On the recommendation of the U.P.S.C. the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Shri Prithvi Raj Malik, as Archivist (General) (Class II-Gazetted) on regular temporary basis w.e.f. 27th January 1977, until further orders.

No. F.11-14/76-A.1.—Shri Nirmal Kant, Asstt. Archivist Gr. I (General) is appointed to officiate as Archivist (General) (Group B-Gazetted) on purely *ad-hoc* basis w.e.f. 27th January 1977 (F.N.) and until further orders. This *ad-hoc* appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

S. N. PRASAD,
Director of Archives

DIRECTOR GENERAL DOORDARSHAN

New Delhi, the 29th January, 1977

No. A. 12011/13/76-S/II.—The following permanent Section Officers of the Office of the Accountant General Central Revenues, New Delhi, are appointed to officiate as Accounts Officer in the Scale of Rs. 840—1200 in the Offices and with effect from the dates mentioned against each for a period of one year :—

Sl. No.	Name	Date of Joining	Office
1.	Shri O. P. Pruthi	18-12-76 (F.N.)	Office of the Station Engineer, Central Purchase & Stores Doordarshan, New Delhi.
2.	Shri L. N. Saxena	5-1-77 (F.N.)	Office of the Controller of Sales : Doordarshan Commercial Service, New Delhi

They will be on deputation and will be governed by the terms and conditions laid down in the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. 10 (24) E-III 60 dated the 4th May, 1961, as amended from time to time

R. K. KHATTAR
Dy. Director of Admn.
For Director General.

New Delhi, the 31st January 1977

No. 55/49/76-SI.—The Director General, Doordarshan hereby appoints Shri E. M. Massey, Transmission Executive, Doordarshan Kendra, New Delhi as Programme Executive at the same Kendra on an *ad-hoc* basis with effect from the 6th December 1976 and until further orders.

No. 55/50/76-SL.—The Director General, Doordarshan hereby appoints Shri S. P. Tandon, Transmission Executive, Doordarshan Kendra, New Delhi as Programme Executive at the same Kendra on an *ad-hoc* basis with effect from the 3rd December 1976 and until further orders.

R. N. MALIK,
Director (Finance)
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 24th January 1977

No. A.12025(ii)/1/76-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri M. P. Sinha, Offg. Asstt. Cameraman in the Films Division, Bombay to officiate as Cameraman in the same office with effect from the forenoon of the 11th January 1977 vice Shri H. S. Kapadia, Permanent Cameraman, granted leave.

M. K. JAIN,
Administrative Officer
for Chief Producer

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 25th January 1977

No. F.4-6(114)/76-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Ram Vithoba Kothé has been appointed by the competent authority to officiate as Assistant Marketing Officer, Group II, in this Directorate at Calcutta, with effect from 30th December 1976 (F.N.) until further orders.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

Nagpur, the 31st January 1977

No. F.74/15/72-D.I.—I, J. S. Uppal, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification Nos. (1) SRO 3184 dated the 28th December 1956 (2) 83 dated the 29th July 1961 (3) 3752 dated the 26th December 1955 and (4) 157 dated the 22nd June 1963 and GSR 904 dated 27th June 1964 hereby authorise Dr. A. K. Srivastava, Marketing Officer attached to the Senior Marketing Officer, Incharge, WR, Bombay to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this Notification in respect of Essential Oils and Vegetable Oils which have been graded in accordance with Essential Oils Grading and Marking Rules, 1954 and Vegetable Oils Grading and Marking Rules, 1955 as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

J. S. UPPAL,
Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 25th January 1977

No. 05000/S-247/377.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Gati Krishna Sahoo to officiate as Labour-cum-Welfare Officer, in Heavy Water Project (Talcher), in a temporary capacity, with effect from the forenoon of January 5, 1977 until further orders.

No. 05000/P-164/376.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri G. Padmanabhan, an officiating Assistant in Public Works Department of Government of Tamil Nadu on deputation to Madras Atomic Power Project, Department of Atomic Energy as Selection Grade Clerk, to

officiate as Assistant Personnel Officer in Heavy Water Project (Tuticorin), in a temporary capacity, with effect from March 30, 1976 (FN) until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY,
Senior Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SHAR CENTRE

SRIHARIKOTA COMMON FACILITIES
PERSONNEL AND GENERAL ADMINISTRATION

Nellore, the 10th January 1977

No. SCF/P&GA/E.IV/1.72.—The resignation tendered by Kum Usha Doss, Engineer SB in the SHAR Range, ISRO of Department of Space is accepted with effect from the afternoon of 6th January 1977.

Sd/- ILLEGIBLE
Controller
for Director
SHAR Centre

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 29th January 1977

No. E(1)04267.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. K. E. Raja, Prof. Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Pune, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of SEVENTYFOUR days with effect from the forenoon of 17th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Raja, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Pune.

No. E(1)04304.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. Chaudhury, Professional Assistant, Office of the Director, Instruments, Pune, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Seventyfour days with effect from the forenoon of 17th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Chaudhury, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director (Instruments), Pune.

No. E(1)05131.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri S. R. Seshadri, Prof. Assistant, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of EIGHTY-NINE days with effect from the forenoon of 10th January 1977 to 8th April 1977.

Shri Seshadri, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(1)05868.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri Chander Parkash, Professional Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Seventytwo days with effect from the forenoon of 19th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Chander Parkash, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)06059.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. C. Gupta, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Seventyfour days with effect from the forenoon of 17th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Gupta, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)06560.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri H. C. Mehra, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Seventyseven days with effect from the forenoon of 14th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Mehra, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)06736.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. K. Bansal, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Seventyseven days with effect from the forenoon of 14th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Mehra, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)07284.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. R. Arora, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Seventyfour days with effect from the forenoon of 17th January 1977 to 31st March 1977.

Shri Arora, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director of Observatories, New Delhi.

G. R. GUPTA,
Meteorologist
for Director General of Observatories

New Delhi-3, the 1st February 1977

No. E(1)06341.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. K. Kazi, officiating Professional Assistant, office of the Director, Agricultural Meteorology, Pune as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Group B (Central Services, Group B) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th December 1976.

Shri Kazi remains posted in the office of the Director, Agricultural Meteorology, Pune.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th January 1977

No. A.35021/1/74-ES.—On reversion from deputation on foreign Service to Bokaro Steel Ltd. Shri T. K. Moitra reported for duty as Aircraft Inspector in the office of the Regional Director, Calcutta in the forenoon of the 23rd August 1976.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 2nd February 1977

No. A.19012/1/77-Hindi.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri B. R. Rajput as Hindi Officer in the Civil Aviation Department w.e.f. 22nd January 1977 (A.N.) on *ad-hoc* basis and until further orders, and post him in the Office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 27th January 1977

No. A.19013/18-A/72-EH/E.I.—On attaining the age of superannuation, Shri K. S. M. Rao, retired from Government service and relinquished charge of the Office of the Regional Director, Madras Region, Madras on the afternoon of the 31st December 1976.

P. C. JAIN,
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 25th January 1977

No. A.38013/1/77-EC.—Shri K. Swaminathan, Assistant Communication Officer in the office of the Regional Director, Madras relinquished charge of his office on the 31st December 1976 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

S. L. KHANDPUR,
Asstt. Director (Administration)

DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT, CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 29th January 1977.

No. 1/77.—The following Office Superintendents are appointed to officiate as Assistant Chief Accounts Officers in the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise, New Delhi in the leave vacancies of the Assistant Chief Accounts Officers as shown against them w.e.f. 17th January 1977 (F.N.) and until further orders:—

1. Shri A. R. Sharma *vice* Shri B. K. Hajra, A.C.A.O.
2. Shri M. C. Mullick *vice* Shri S. N. Verma, A.C.A.O.
3. Shri T. R. Sharma *vice* Shri K. D. Math, A.C.A.O.

Sd/- ILLEGIBLE
Director of Inspection

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 15th January 1977

No. 30/2/76-ECIX.—The President is pleased to confirm the following officiating Architects/Senior Architects in the General Central Service Group A in the Central Public Works Department in the Grade of Architects with effect from the dates indicated against each:—

S. No., Name and Date from which confirmed

- | S. No. | Name | Date from which confirmed |
|--------|------------------|---------------------------|
| S/Shri | | |
| 1. | M. K. Rishi | 23-4-69. |
| 2. | Joginder Bahadur | 23-4-69. |
| 3. | I. D. Mathur | 23-4-69. |
| 4. | M. B. Saxena | 7-5-69. |
| 5. | R. C. Manchanda | 15-9-69. |
| 6. | M. L. Rajadnya | 26-6-70. |
| 7. | A. K. Dass Gupta | 12-5-71. |
| 8. | K. R. Jani | 23-12-71. |
| 9. | Sangat Singh | 22-6-72. |
| 10. | T. K. D. Barman | 19-9-72. |
| 11. | J. R. Jadhav | 23-10-72. |
| 12. | J. Kothari | 17-3-73. |
| 13. | S. D. Satpute | 10-6-73. |
| 14. | W. R. Shihurkar | 24-6-73. |
| 15. | B. S. Duggal | 23-1-74. |
| 16. | I. M. Bhatia | 1-5-74. |
| 17. | M. S. Sharma | 1-5-74. |

S. S. P. RAU,
Dy. Director of Administration
for Engineer in Chief

New Delhi, the 18th January 1977

No. 30/7/75-ECI.—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of Assistant Executive Engineer (Civil) in C.E.S. Group 'A' with effect from the dates indicated against their names:—

S. No. Name and Date of confirmation

S/Shri

1. Dharam Pal—26-10-74.
2. J. M. Swaroop—9-10-74.
3. R. C. Gupta—9-10-74.

No. 30/13/76-E.C.I.—The President is pleased to confirm Shri A. K. Sinha in the grade of Assistant Executive Engineer (Civil) in Central Engineering Service, Group 'A' in the Central P.W.D. with effect from 1st January 1974.

No. 30/13/76-ECI.—The President is pleased to confirm Shri Mahendra Singh in the grade of Assistant Executive Engineer (Civil) in C.E.S. Group A. with effect from 8th November 1973.

P. S. PARWANI,
Dy. Director of Admn.

New Delhi, the 28th January 1977

No. 27-AE/G(6)/74-ECI.—Shri D. N. Gupta, Asstt. Executive Engineer, 'B', Central P.W.D. expired on 13th December 1976.

P. S. PARWANI,
Dy. Director of Admn.
for Engineer-in-Chief

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 18th January 1977

No. 1/13/76-Adm.II.—Following recommendations of the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Ram Singh to the grade of Extra Assistant Director (Scientific) in the Central Electricity Authority, New Delhi with effect from the forenoon of 21st December 1976 until further orders.

2. Shri Ram Singh would be on probation for a period of two years from the date of his appointment.

P. M. SIRAJUDDIN,
Under Secy.

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 20th January 1977

No. 4.—The following Asstt. Officers of IRTS Deptt., have finally retired from Rly. service from the dates noted against each.

1. Shri Ram Saran Dass Gupta ATO (PC)/HQ. 30-9-76 A.N.
2. Shri K. L. Sabharwal AOS (CB-9)/DLI 31-12-76 A.N.

S. C. MISRA,
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Dholpur Agro & Cottage Industries Private Limited.*

Gwalior-474001, the 28th January 1977

No. 1190/6587.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Dholpur Agro & Cottage Industries Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Dholpur Colonisers & Agro Development Company Pvt. Ltd.*

Gwalior-474001, the 28th January 1977

No. 1193/6589.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Dholpur Colonisers & Agro Development Company Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Dholpur Financiers & Investors Company Pvt. Ltd.*

Gwalior-474001, the 28th January 1977

No. 1198/6591.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Dholpur Financiers & Investors Company Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Rajasthan Farmers Company Private Limited*

Gwalior-474001, the 28th January 1977

No. 1192/6593.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Rajasthan Farmers Company Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Dholpur Commercial & Agro Products Pvt. Ltd.*

Gwalior-474001, the 28th January 1977

No. 1201/6595.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Dholpur Commercial & Agro Products Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Dholpur Mercantile & Investment Company Pvt. Ltd.*

Gwalior-474001, the 28th January 1977

No. 1199/6597.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Dholpur Mercantile & Investment Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Dholpur Agriculture Company Private Limited*

Gwalior-474001, the 28th January 1977

No. 1194/6599.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the

name of Dholpur Agriculture Company Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of
Dholpur Horticulture & Agriculture Company Pvt. Ltd.*

Gwalior-474001, the 28th January 1977

No. 1197/6601.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Dholpur Horticulture & Agriculture Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
B. A. Hardware Mart Private Ltd.*

Bombay-2, the 27th January 1977

No. 3422/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. B. A. Hardware Mart Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

P. T. GANJWANI
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Mazdoor Chit Fund Private Limited*

Jaipur, the 31st January 1977

No. Stat/1241.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Mazdoor Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. D. KUREEL
Registrar of Companies
Rajasthan, Jaipur

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Pullanbadi Transports Private Limited*

Madras-600 006, the 23rd November 1976

No. 4144/560(5) 76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Pullanbadi Transports Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. N. K. Mari and Company Private Limited*

Madras-600 006, the 23rd November 1976

No. 4261/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956

that the name of M/s. N. K. Mari and Company Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Madras Engineering Works Private Limited*

Madras-600 006, the 23rd November 1976

No. 5108/560(5)/76.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of M/s. Madras Engineering Works Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd. ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies,
Tamilnadu.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
The Indian Overseas Exhibitions and Publications Ltd.*

Hyderabad, the 31st January 1977

No. 1018/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of the Indian Overseas Exhibitions and Publications Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bhagnagar Pictures Limited*

Hyderabad, the 29th January 1977

No. 837/T(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Bhagnagar Pictures Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies
Andhra Pradesh, Hyderabad

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

New Delhi, the 24th January 1977

I. TAX ESTABLISHMENT

Subject: Establishment—Gazetted—Income-tax Officers
(Class II)—Confirmation of—

No. Est.I/CH(I)/DPC(CI.II)/Confirmation/73-74 to 76-77/35024.—Shri D. N. Sachdeva, is appointed substantively to the permanent post of Income-tax Officer (Class II) in the scale of Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 (subsequently revised to Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200), with effect from the 14th April, 1972.

The date of confirmation is subject to modification at a later stage, if found necessary.

AVTAR SINGH,
Commissioner of Income Tax.

FORM ITNS

(1) Shri Kailash Chandra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sudesh Chandra Chopra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller. (Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,Objections, if any, to the acquisition of the said property may
be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

Lucknow, the 1st February 1977

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. 140-S/Acq.—Whereas, I, A. S. Bisen
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Kothi No. 127-A situated at Civil Line, Bareilly
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Bareilly on 8-6-76,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

A Kothi No. 127-A situated at Civil Line Bareilly.

A. S. BISEN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 1-2-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st January 1977

Ref. No. AP-1640/76-77.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Kapurthala—Road, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in May 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chiranjit Singh, Jagjeet Singh WG-435, Suraj Ganj, Jullundur.
(Transferor)
- (2) M/s Pardeep Auto Industries, Khingra Gate, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As Sr. No. 2 Above. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Kanals, 3 marlas land as Kapurthala Road, Jullundur mentioned in the Registration Deed No. 743 of May 1976 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31-1-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Charanjit Singh, Jagjeet Singh, WG-435, Suraj Ganj, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Pardeep Industries, Gill Road, Ludhiana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As Sr. No. 2 Above. (Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Jullundur, the 31st January 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 1641/76-77.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Kapurthala Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in May 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

2 Kanals 3 marlas land as Kapurthala Road, Jullundur mentioned in the Registration Deed No. 744 of May 1976 of the Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

9—466GI/76

Date : 31-1-1977

Scal :

FORM ITNS

(1) Shri Tara Singh S/o Shri Jawala Singh S/o Dewan Singh R/o Bara Pind Teh. Phillaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 31st January 1977

Ref. No. AP-1642/76-77.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Goraya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Phillaur in May 1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Parkash Kaur Wd/o Shri Sucha Ram S/o Shri Shankar Dass R/o Sapror Nangal, Teh. Phagwara Through Shri Rura Ram C/o Surinder Auto Works, Railway Road, PHG.

(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 Above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 Kanal land at Mehil (Goraya) mentioned in the Registration Deed No. 373 of May 1976 of the Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mohan Lal s/o Gurdial Singh s/o Shri Achru Ram Saini Resident of Bahadurpur (Hoshiarpur).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Harbans Lal s/o Shri Krishan Dass s/o Shri Basanta Mal Sud Resident of Bahadurpur (Hoshiarpur).
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As Sr. No. 2 Above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Jullundur, the 2nd February 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AP-1643/76-77/HSP.—Whereas, I Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Bahadurpur (HSP)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on June 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One Kanal 13 Marlas land at Bahadurpur District Hoshiarpur as mentioned in the Registered Deed No. 679 June 1976 of Registering Authority Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-2-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D() OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd February 1977

Ref. No. AP-1644/76-77/HSP.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at ————— (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashmiri Bazar Hoshiarpur, June 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income by any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Singh s/o Sant Partap Singh s/o Dharam Singh Resident of Kashmiri Bazar Hoshiarpur.
(Transferor)

(2) Shri Babu Ram s/o Shri Chint Ram s/o Amin Chand Resident of Arya Nagar, Hoshiarpur.
(Transferee)

(3) As Sr. No. 2 Above. (Person in occupation of the of the property).

(4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop situated in Kashmiri Bazar Hoshiarpur as mentioned in Registration Deed No. 1135 June, 1976 of Registering Authority Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 2nd Feb., 1977.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mukand Lal Sapra Advocate s/o Ganesh Dass
s/o Sahib Ram Bazar Vakilan, Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pushpa Wati w/o Shri Om Parkash s/o Kishori
Lal, Committee Bazar, Hoshiarpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(3) As Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the
property).

(4) Any other persons interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).

Jullundur, the 2nd February 1977

Ref. No. AP-1645/76-77/HSP.—Whereas, I, Ravinder
kumar,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000
and bearing No. As per Schedule situated at Hoshiarpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at Hoshiarpur on July 1976,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to receive that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

THE SCHEDULE

House No. B2-1516/3, Bazar Vakilan, Hoshiarpur as men-
tioned in Registration Deed No. 1619 July 1976 of Registra-
tion Authority Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 2nd Feb., 1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 2nd February 1977

Ref. No. AP-1646/76-77/Nawanshahar.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Banga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawanshahar on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Parkash Kaur D/o Shri Bhag Singh Resident of Banga.
(Transferor)
- (2) Smt. Jagir Kaur w/o Gurmail Singh, Shri Nirmal Singh s/o Bhag Singh Banga.
(Transferee)
- *(3) As Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property).
- *(4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

18 Marlas land in Khatkar Khurd, 15 Kanai 16 marlas land at Banga, as mentioned in Registration Deed No. 1699 of June, 1976 of Registering Authority Nawanshahar.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 2nd Feb., 1977.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jaswant Singh s/o Sher Singh s/o Gujjar Singh
R/o Kartarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER, OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd Febraury 1977

Ref. No. AP-1647.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub Judge 1st Class Jullundur on 7-5-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Krishna Devi wd/o Shri Balwant Singh s/o Gujjar Singh Th. Attorney Mehar Chand Sahni Municipal Commissioner, s/o Bhola Ram, Furniture Bazar and Dharam Pal s/o Jagdish Ram Cloth Merchant, Arya Bazar, Kartarpur.

(Transferee)

*(3) As at Serial No. 2 above. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As stated in the order of Sub Judge 1st Class, Jullundur, vide his Order No. 307 of 1970 dated 7-5-1976.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 2nd Feb., 1977,

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B
CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st February, 1977

Ref No. CHD/29/76-77.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 116, Sector 20-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Charanjit Lal Bhasin s/o Shri Mohan Lal Bhasin R/o House No. 3144, Sector 27-D Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Sary Dayal s/o Shri Jhanda Mal R/o House No. 134, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. Nav Bal Niketan Society through its Secretary Shri Ravi Chander R/o 1467, Sector 22-B, Chandigarh, 2. Shri Gulshan Lal s/o Shri Charanjit Lal, 3. Shri Chuhar Ram s/o Shri Atma Ram, 4. Shri Shyam Lal all residents of 116, Sector 20-A Chandigarh. (Persons in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 116, Sector 20-A, Chandigarh.

G. P. SINGH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 1st February 1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sheel Chand Jain s/o Shri Gokal Chand Jain
R/o Khatauli, Distt. Muzaffarnagar (U.P.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Bhupinder Singh s/o Shri Mohinder Singh and
Smt. Rajkulbir Kaur w/o Shri Bhupinder Singh both
residents of House No. 56, Sector 9, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B
CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st February 1977

Ref. No. CHD/36/76-77.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 72, Sector 2, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 72, Sector 2, Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

10—466GI/76

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 1st February 1977,

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B
CHANDIGARH

Chandigarh, the 1st February 1977

Ref. No. CHD/38/76-77.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1041, Sector 27-B, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbhajan Lal s/o Shri Daulat Ram and Smt. Bhola Swarni W/o Shri Harbhajan Lal through their attorney Shri Suraj Prakash Khanna s/o Shri Bhim Sain Khanna R/o 1669, Sector 22B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) (i) Smt. Kala Wati W/o Shri Vidya Sagar Gupta, (ii) Shri Subhash Gupta and (iii) Shri Vinod Gupta s/o Shri Vidya Sagar Gupta, R/o House No. 1066, Sector 27-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1041, Sector 27-B, Chandigarh.

G. P. SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 1st February 1977,

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B
CHANDIGARH

Chandigarh, the 3rd February 1977

Ref. No. KNL/14/76-77.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd share of property known as 'Ashok Rice Industries' situated at Hansi Road near Shamshan Ghat, Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in June, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (i) Shri Naresh Kumar, (ii) Shri Anil Kumar s/o Shri Prem Nath alias Prem Chand (iii) Smt. Padma Rani wd/o Shri Prem Chand and (iv) Shri Suresh Chand s/o Shri Prem Chand through his General Attorney Shri Deepak Dewan s/o Shri Jado, Karnal, all of 2, Nai Market, Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Prem Chand s/o Shri Mange Ram, Shop No. 64, Nai Mandi, Karnal.

(Transferee)

(3) (i) S/Shri Naresh Chand and (ii) Pokhan Mal s/o Shri Mange Ram, Shop No. 64, Nai Mandi, Karnal. (iii) Sri Ram s/o Shri Gopal Dass Mahajan Aggarwal, R/o Asandh, Teh. & Distt. Karnal.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of all buildings and land measuring 11427 sq. yds. comprised in Khasra Nos. 1514 and 1515 i.e. property known as 'Ashok Rice Industries' situated on Hansi Road near Shamshan Ghat, Karnal and bounded as under :—

North—Land of Smt. Balwant Kaur and others.

South—Suresh Rice Mills.

East—Hansi Road and main gate.

West—Land of Smt. Balwant Kaur and others.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4896 of June, 1976 of the Registering Authority, Karnal.)

G. P. SINGH

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Chandigarh

Date : 3rd February 1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B
CHANDIGARH

Chandigarh, the 3rd February 1977

Ref. No. KNL/40/76-77.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd share of property known as 'Ashok Rice Industries' situated at Hansi Road near Shamshan Ghat, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in June, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri. Kailash Chand s/o Shri Benarsi Dass, Shop No. 3, Nai Mandi, Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Chand, S/o Shri Mange Ram, Shop No. 64, Nai Mandi, Karnal.

(Transferee)

(3) S/Shri (i) Prem Chand and (ii) Pokhar Mal ss/o Shri Mange Ram, Shop No. 64, Nai Mandi, Karnal. (iii) Sri Ram s/o Shri Gopal Dass Mahajan Aggarwal R/o Asandh, Teh. & Distt. Karnal. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of all buildings and land measuring 11427 sq. yds. comprised in Khasra Nos. 1514 and 1515 i.e. property known as 'Ashok Rice Industries' situated on Hansi Road near Shamshan Ghat, Karnal and bounded as under :—
North—Land of Smt. Balwant Kaur and others.
South—Suresh Rice Mills.
East—Hansi Road and main gate.
West—Land of Smt. Balwant Kaur and others.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5206 of June, 1976 of the Registering Authority, Karnal.)

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 3rd February 1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B
CHANDIGARH

Chandigarh, the 3rd February 1977

Ref. No. KNL/41/76-77.—Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd share of property known as 'Ashok Rice Industries' situated at Hansi Road near Shamshan Ghat, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in June, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Shri Madan Lal s/o Shri Benarsi Dass Aggarwal, Shop No. 3, Nai Market, Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Pokhar Mal s/o Shri Mange Ram, Shop No. 64, Nai Mandi, Karnal.

(Transferee)

(4) (i) S/Shri Prem Chand and (ii) Naresh Chand s/o Shri Mange Ram, Shop No. 64, Nai Mandi, Karnal, (iii) Shri Siri Ram s/o Shri Gopal Dass Mahajan Aggarwal R/o Asandh, Teh. & Distt. Karnal.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of all buildings and land measuring 11427 sq. yds. comprised in Khasra Nos. 1514 and 1515 i.e. property known as 'Ashok Rice Industries' situated on Hansi Road near Shamshan Ghat, Karnal and bounded as under :—

North—Land of Smt. Balwant Kaur and others.

South—Suresh Rice Mills.

East—Hansi Road and main gate.

West—Land of Smt. Balwant Kaur and others.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5322 of June, 1976 of the Registering Authority, Karnal.)

G. P. SINGH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Chandigarh

Date : 3rd February 1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 28th January 1977

No. IAC/ACQ/BPL/76-77/785.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land admeasuring 8,02,650 sq. ft. situated at Jai Vilas Palace, Gwalior situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 17-6-1976; for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shrimant Madhav Rao Scindia S/o Late H. H. Jivajirao Scindia, R/o Gwalior.

(Transferor)

(2) Basant Bihar Sahakari Sanstha Maryadit through its President Shri Hari Prasad Agiwal, Birlanagar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 8,02,650 sq. ft. situated at 'Jai Vilas Palace', Gwalior.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Seal :
Date : 28-1-1977.

FORM ITNS

(1) Shri Jayantibhai S/o Shri Narainji Bhai Patel, R/o 35, Sheelnath Camp, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sudarshan Kumar Bandi, R/o 10, Guru Govind Singh Market, 1st Floor, Sikh Mohalla, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bhopal, the 19th January 1977

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

No. IAC/ACQ/BPL/76-77/786.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Plot No. 18, situated at Diamond Club initially part of the property bearing Municipal No. 5/1 situated at Dr. Roshan Singh Bhandari Marg, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 8-7-1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 18, situated at Diamond Club initially part of the Property bearing Municipal No. 5/1, situated at Dr. Roshan Singh Bhandari Marg, Indore.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajendra Kumar S/o Shri Banwarilal Dagdi,
R/o 50, Radha Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (i) Shri Avtar Singh; (ii) Shri Ajit Singh S/o Shri
Sujan Singh Tuteja, both R/o 97, Gopal Bagh
Colony, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPALObjections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 19th January 1977

No. IAC/ACQ/BPL/76-77/787.—Whereas, I, V. K.
SINHA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
House Built on Plot No. 97, situated at Gopal Bagh, Manik
Bagh Road, Indore situated at Indore
(and more fully describedin the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Indore on 13-8-1976,for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Built on Plot No. 97, situated at Gopal Bagh, Manik
Bagh Road, Indore.

V. K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bhopal

Date: 19-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Malti Bai wd/o Shri Manohar Buty, R/o Ward No. 7, Balaghat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 29th January 1977

No. IAC/ACQ/BPL/76-77/788.—Whereas I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, Khasra No. 262/168 Area 10,000 sq. ft. situated behind Buty Chawl, Ward No. 7, Balaghat (M.P.) situated at Balaghat (M.P.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balaghat on 30-8-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

111—L 466 GI/76

(2) (a) Shri Mulam Chand S/o Shri Gulzarilal Jain, R/o Buty Chawl, Ward No. 7, Balaghat.

(b) Shri Tarachand S/o Shri Dulichand Jain, R/o Ward No. 9, Balaghat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Khasra No. 262/168 Area 10,000 sq. ft. situated behind Buty Chawl, Ward No. 7, Balaghat (M.P.).

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhopal

Date : 29-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(iii) Shri Harilal Anandlal Lakhani,
Bharat Motor Works, Porbandar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 29th January 1977

Ref. No. Acq.23-I-1165(558)/11-4/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 752 to 759 & 765 to 772 of City Survey Wd-3 situated at Mahatma Gandhi Road and New S.T. Bus Stand Road, Porbandar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbandar, on 29-6-1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Bhagwandas Parshottam,
Manek Chawk, Porbandar.
 - (ii) Shri Hargovindas Vithaldas,
Masjid Bunder Road, Gaya Building,
2nd Floor Bombay-3.
- (Transferor)
- (2) (i) Shri Narsi Ramji Jungi,
Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, Porbandar.
 - (ii) Shri Babulal Velji Sindhav,
C/o. M/s. Velji P. & Sons, Bunder, Porbandar.

Name of the Tenants

- (3) (1) Vanand Gordhandas Gokaldas, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.
- (2) Shri Mohanlal Kalidas Radhani, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.
- (3) Patel Jadavji Trikamji, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.
- (4) Ramji Mavji Dhamelia, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.
- (5) Daraji Ramji Lalji, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, & New S. T. Bus Stand Road, Porbandar.
- (6) Dhabhi Kara Ratanshi, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.
- (7) Khushendrakumar Nenshibhai, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.
- (8) Bhoy Dayalal Devaji, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.
- (9) Vanad Gordhan Giga, Hari Bhuvan, Mahatma Gandhi Road, & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.

(Person in occupation of the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property standing on land admeasuring 1050.7.11 sq. yds. and bearing City Survey Ward No. 3, Survey No. 752 to 759 and 765 to 772 known as Hari Bhuvan, situated at Mahatma Gandhi Road & New S.T. Bus Stand Road, Porbandar.

J. KATHURIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 29-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nanalal Kunvarji Shah,
Jail Road, Bhavnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad the 2nd February 1977

Ref. No. Acq.23-I-1208(559)/5-1/75-76.—Whereas, I, J.
KATHURIA,

being the Competent Authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act) have reason to be-
lieve that the immovable property, having a fair market value

Survey No. 254/3, situated at Vadawa, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under theRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at

Bhavnagar on 11-6-1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefore by more than fifteen per-
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :-(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—(2) Daxin Vibhag No. 2 Maldhari Gharbandhanari
Sahakari Mandli Ltd., Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'Said Act',
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land admeasuring 2 Acres 2 Gunthas bear-
ing Survey No. 254/3, situated at Vadwa, Bhavnagar.

J. KATHURIA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 2-2-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th January 1977

Ref. No. Acq/287/Hapur/76-77/309.—Whereas, I, L. N. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 29-6-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Janardan Kripal s/o B. Dau Dayal Ji, 2. Sri Mohan s/o Sri Janardan Kripal R/o Rewati Kunj Railway Road, Hapur, Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Prakash s/o Sri L. Raghubir Saran Ji Caste Vaish Agarwal R/o Kasba Hapur, Mohalla Moti Ganj First, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property $\frac{1}{2}$ portion of the building measuring 593 sq. yds. situated at Mohalla Rewati Kunj Railway Road, Hapur, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration for Rs. 40,500/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. Cracknell R/o V. Mussorie, P. Dasana Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut (through her Attorney A. Cracknell).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th January 1977

Ref. No. Acq/219/Ghaziabad/76-77/310.—Whereas, I, L. N. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 9-7-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Hajji Nazir Ahmed s/o Tola Khan, 2. Anwar Ali, 3. Akhtar Ali, 4. Ahsan Ali, 5. Usman Ali sons of Haji, Nazir Ahmed, 6. Begum Sahiba w/o Ahsan Ali all r/o V. Mussorie Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Abadi Land measuring 15000 sq. yds. bearing No. 686 situated at V. Mussorie, P. Dasana, Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for an apparent consideration for Rs. 2,75,000/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th January 1977

Ref. No. Acq/366/Roorkee/76-77/219.—Whereas, I. L. N. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 25-5-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Chand Gupta s/o Late Sri Shobha Ram R/o 48, Civil Lines, Ka-ba Roorkee, Parg P.O. and Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur through M/s. M. S. J. & Co., Khanzarpur, Roorkee, Dist. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Shashi Kumari w/o Sri Jitendra Kumar R/o 180/14, Sheel Kunj, Roorkee, Vishwavidyalaya, Roorkee, Parg P.O. & Teh. Roorkee, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property One plot measuring 12600 sq. ft. Khasra No. 355 and 356 situated at near Railway Station, Roorkee, on Station Road, Roorkee, transferred for an apparent consideration for Rs. 37,800/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th January 1977

Ref. No. Acq/294/Kairana/76-77/306.—Whereas, I, L. N. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 2-6-76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Satya Prakash s/o Sri Baboo Lal R/o Shamli P.O. & Parg Shamli Teh. Kairana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Devendra Kumar Jain s/o Sri Chhotan Lal Jain R/o Shamli P.O. & Parg Shamli Teh Kairana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property $\frac{1}{2}$ portion of the building measuring 154 sq. meters situated at Shamli Dhimanpura Parg Shamli, Teh. Kairana, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration for Rs. 35,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 29-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Satya Prakash s/o Sri Baboo Lal R/o Shamli P.O. and Parg Shamli Teh Kairana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sushil Kumar Jain s/o Sri Chhotan Lal Jain R/o Shamli P.O. & Parg Shamli Teh Kairana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th January 1977

Ref. No. Acq/293/Kairana/76-77/308.—Whereas, I, L. N. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 2-6-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property ½ portion of the building measuring 154 sq. meters situated at Shamli Dhimanpura Parg Shamli Teh. Kairana, Distt. Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration for Rs. 35,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-1-1977.

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st January 1977

Ref. No. ACq/367-A/Mussoorie/76-77/307.—Whereas, I, L. N. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mussoorie on 6-7-76,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—466GI/76

- (1) Shrimati Her Highness Maharani Urmilla Devi of Nabha w/o His Highness Sir Pratap Singh of Nabha R/o a No. 6 Panchcheel Marg, Chankyapur New Delhi, Acting through Sri Sushil Kumar Vohra s/o Sri P. L. Vohra R/o Regal Buildings, Parliament Street New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shrimati Raj Kaushalya w/o Sri Krishna Dev R/o Nawabganj Gonda Present address at Dilbahar Estate Sardar Harman Singh Road, Mussoorie.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property One double story residential house measuring 2171 sq. ft. situated at Dilbahar Estate, Sardar Harnam Singh Road, Charleville, Mussoorie, transferred for an apparent consideration for Rs. 40,000/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-1-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd February 1977

Ref. No. RAC No. 216/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land in Moodameedipalli, in S. No. 448-E Proddatur-Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur on 21-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Pathakota alias Golkonda Chinna Obul-Reddy, S/o Obul Reddy, R/o Modameedipalli—Village, Proddatur-Tq., Cuddapha Dist.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dornala Balireddy, S/o Balireddy, 2. Sri Dornala Gurvi-Reddy, S/o Balireddy, both residing at Modameedipalli, Village, Proddatur-Tq., Cuddapha Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land situated in S. No. 448-E at Modameedipalli, Village, Proddatur-Tq., Cuddapha Dist. and sold under document No. 2398/76 registered in the office of the Sub-registrar Proddatur. Extent of 10.50 Cents.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 2-2-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 2nd February 1977

Ref. No. RAC. No. 217/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-2-686 to 688 situated at Subadh Road, Station Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in June 76, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957) (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Yemkay Pandari, S/o Chinna Balaji, Regimental Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Vittal Rao Dandgay, S/o Omaji Rao, Dandgay, R/o Andole Village, Andole-Tq., Medak-Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground and First floor of premises No. 7-2-686 to 688 at Subadh Road, Secunderabad, registered in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad, vide Doc. No. 717/76.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range,

Hyderabad

Date : 2-2-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 1st February 1977

Ref. No. 31/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 169/1 & 2 and 173 situated at Velur Village, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Velur (Doc. No. 861/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) M/s 1. M. Ardhanari, 2. M. Venkatajalum, 3. A. Gunasekaran, Valur Mela Veedhi, Velur P.O. Salem district.

(Transferor)

(2) Smt. Sen Thamil Selvi, W/s Dr. Rangasamy, Sozhia Velalar Street, Velur P.O. Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 1.12½ acres in Survey Nos. 169/1 (0.09 acre), 169/2 (0.23 acre) and 173 (0.80½ acre) at Velur village, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 1-2-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 20th January 1977

Ref. No. 101/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 51/3B situated at Cumbum, Madurai district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Cumbum (Doc. No. 1501/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s 1. Muthappan alias C. Dharmar, 2. Ramasamy (minor) by father and guardian Shri Muthappan, 3. Muthuvairavan, alias C. Rayar, 4. Vairavan, 5. Ambazhagan and 6. Malarvallal minors by father and guardian Shri Muthuvairavan Cumbum, Madurai district.

(Transferor)

- (2) Shri T. S. K. Subramaniam, S/o Shri Kamakshi Gaudar Uthamapuram, Cumbum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1 acre and 3 cents in Survey No. 51/3B, Cumbum, Madurai district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 20-1-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 1st February 1977

Ref. No. 109/JUNE/76-77.—Whereas, J. G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.100 situated at Fairlands, Alagapuram, Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 1942/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely.

- (1) 1. Smt. M. Manoranjithan, W/o Dr. C. Ardhanari,
2. Shri Muthu Goundar,
3. Shri Perianna Goundar,
4. Smt. Pappal, W/o Goundar,
5. Shri M. Soundararajan,
6. Shri M. Ramalingam,
7. Shri M. Rajamani
"Santhi Nilayam", Kachakaranur, Ammapalayam village, Salem district.

(Transferor)

- (2) Smt. K. Chinnammal, W/o C. Krishnasami Goundar, Fairlands, Alagapuram village, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7,551 sft. with building thereon at door No. F. 100 (Survey No. 84/1), Fairlands, Alagapuram village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 1-2-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri L. Rajaguru, Thattumettu Theru, Sivakasi town.

(Transferor)

(2) M/s Murugan Fire Works Industries, Thattu Mettu Theru, Sivakasi town.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 20th January 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 49/JUNE/76-77.—Whereas, I, G.

RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 344/1A, 349/1, 332/7, 332/5A and 332/5B, situated at Visvanatham village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sivakasi (Doc. No. 1227/76), on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Lands measuring 15 acres and 96 cents in survey Nos. 344/1A (9.22 acres), 349/1 (2.68 acres), 332/7 (0.50 acre), 332/5A (1.78 acres) and 332/5B (1.78 acres), at Visvanatham village, Sivakasi.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-1-1977
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 20th January 1977

Ref. No. 50/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 479/3A and 3B situated at Puthur village, Rajapalayam taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Seithur (Doc. No. 398/76) on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s 1. Karuppiach Achari,
2. Kandasami, } minors by father and guardian
3. Karuppiach, } Shri Karuppiach Achari
4. Sakthivel
5. K. Palanisamy, s/o Karuppiach Achari,
Sevalpatti Street, Rajapalayam. (Transferor)
- (2) Shri Paulraj Nadar, S/o Shri Thangiah Nadar,
Meenakshipuram, Puthur village, Rajapalayam taluk. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 6 acres and 22 cents in survey Nos. 479/3A and 479/3B (with 3/4th undivided share in one well in S. No. 479/3A), Puthur village, Rajapalayam taluk.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 20-1-1977
Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Halima, W/o Shri C. A. A. Jaffarullah,
Uthamapuram, Cumbum.

(Transferor)

(2) Shri Sivakumar (minor) by father and guardian
Shri Thathuraja Gounder, 350/8, Alamarathu
Street, Cumbum.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 20th January 1977

Ref. No. 100/JUNE/76-77.—Whereas, I, G.
RAMANATHAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNo. 1818, 1819 and 1820 situated at Cumbum, Madurai
District,(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Cumbum (Doc. No. 1531/76) on 7-6-1976,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 6 acres in survey Nos. 1820
(2.26 acres), 1819 (0.37 acre) and 1818 (3.37 acres) at
Cumbum, Madurai district.G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6Date : 20-1-1977
Seal:

FORM ITNS—

(1) Smt. Halima, W/o Shri C. A. A. Jaffarullah,
Uthamapuram, Cumbum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Vijaya, W/o Shri T. Ashok Kumar, 350/8,
Alamarathu Street, Cumbum, Madurai District.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 20th January 1977

Ref. No. 103/JUNE/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1818, 1805/1, 1806 and 1804 situated at Cumbum, Madurai district.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cumbum (Doc. No. 1603/76), on June 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5 acres and 88 cents in survey Nos. 1818 (1.61 acres), 1805/1 (1.81 acres), 1806 (2.17 acres) and 1804 (0.29 acre) at Cumbum, Madurai district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-1-1977
Seal;

FORM ITNS—

- (1) 1. Smt. T. Aiysha Bi Sahiba, W/o Nattamkara Hayathi Basha,
2. Shri N. Abdulla,
3. Shri N. Sathulla Basha, No. 22, N. Ajimuddin Sahib Street, Ambur,
4. Smt. Sabira Kanam Sahiba, W/o Shri K. Altafur Rahman, No. 17, Karumbur Patel Sahib Street, Ambur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 29th January 1977

- (2) Shri A. Abdul Gafoor, 325, Patel Yacub Sahib Street, Vaniyambadi.

(Transferee)

Ref. No. 6/SEPT/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 80, situated at Pariavarikkam village, North Arcot District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ambur (Doc. No. 1288/76) on September 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 acres and 99 cents in survey No. 80, Periaravikkam village, North Arcot district (with well and coconut trees).

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 29-1-1977

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

MADRAS-6, the 29th January 1977

Ref. No. 8/SEPT/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 81, situated at Periavarivakkam and 1, 2, 6 and 7, Thuthiapet village, N. A. district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at Ambur (Doc. No. 1290/76) on September 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. T. Aiysha Bi Sahiba, W/o Nattamkara Sayathi Basha,
2. Shri N. Abdulla,
3. Shri N. Sathulla Basha, No. 22, N. Ajimuddin Sahib Street, Ambur.
4. Smt. Sabira Kanam Sahiba, W/o Shri K. Altaf Rahman, No. 17, Karumbur Patel Sahib Street, Ambur.

(Transferor)

- (2) Smt. Mumtaz Begum, W/o Shri A. Abdul Gafoor, No. 325, Patel Yacub Sahib Street, Vaniyambadi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (1) Agricultural lands measuring 1 acre and 95 cents (with 5 HP motor pumpset) in survey No. 81, Periavarivakkam, village, North Arcot District.
- (2) Agricultural lands measuring 4 acres and 31 cents in survey Nos. 1 (1.57 acres), 2 (0.99 acres), 6 (0.96 acres), 7 (0.61 acres), and 322/4 (0.18 acres) with one well in S. No. 2 at Thuthiapet village, North Arcot district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date : 29-1-1977

Seal:

FORM ITNS—

(1) Janab Kaka Mohamed Zubair 990 New Street,
Vaniyambadi North Arcot Dist.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s A. Habibur Rahman Sons No. 245 Thalaya-
tham Bazaar Road, Gudiyatham North Arcot Dist.
(Represented by its partner Mr. A. Mohamed
Ashraf).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 2nd February 1977

Ref. No. F.5326/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/ and bearing
No. 5, situated at Perambur Barracks Road, Purasawalkam,
Madras-7,

(and more fully
described in the Schedule annexed hereto), has been
transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
JSR II, Madras (Doc. No. 3135/76) on 30-6-1976,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 11324 Sq. ft. (with building) and bear-
ing Door No. 5, Perambur Barracks Road, Madras-12 (New
S. No. 1856/17, Block No. 29, Purasawalkam).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 2-2-1977.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th January 1977

Ref. No. Acq. File No. 378.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/210B C.S. No. 9-21-105 situated at Dharnikotavari lane, Rajahmundry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 2-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Alamuri Narayanamurthy, S/o Sitaramaswamy,
2. Smt. A. Rajyalaxmi, W/o Narayanamurthy,
Gutala, Kovvur Taluk, W.G. Dt.

(Transferor)

- (2) Smt. Polu Vanajalaxmi W/o Chinavengalareddy,
Prop. Hotel Vikram, Main Road, Rajahmundry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1565/76 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 15-6-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 28-1-1977

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Alamuri Narayanamurty, S/o Sitaramaswamy,
2. Smt. A. Rajyalaxmi, W/o Narayanamurty,
Gutala, Kovvuru Taluk, W.G. Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 28th January 1977

Ref. No. Acq. File No. 379/J. No. 366.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6/210B C.S. No. 9-21-105 situated Dharanikotavari lane, Rajahmundry,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajahmundry on 2-6-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (2) Shri Polu China Vengala Reddi, S/o Musalayya Reddi, Prinviham chit funds, Gunduruvari St., Rajahmundry.

(Transferee)

- (3) Smt. Polu Vanajalaxmi, W/o Chinavengalareddy, Prop. Hotel Vikram, Main Road, Rajahmundry.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and conditions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1566/76 registered before the Sub-Registrar, Rajahmundry during the fortnight ended on 15-6-1976.

B. V. SUBBARAO,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-1-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st January 1977

Ref. No. Acq. File No. 381.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 105 and 60 situated at B. Kothuru Pithapuram Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pithapuram on 14-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Chennubhotla Radhakrishnamurthy, S/o Ramamurthy.
2. Chennubhotla Achutaramaiah, S/o Ramamurthy Ramaraopeta, Kakinada.

(Transferor)

- (2) Shri Sangiseti Lakshmikantam W/o Veerabhadrarao, B. Kothuru, Pithapuram Taluk, E.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1313/76 registered before the sub-registrar, Pithapuram during the fortnight ended on 15-6-1976.

B. V. SUBBARAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 31-1-1977

Seal :

FORM ITNS ———

- (1) 1. Shri Chennubhotla Radhakrishnamurty S/o Ramamurty.
2. Shri Chennubhotla Achutaramaiah S/o Ramamurty Ramaraopeta, Kakinada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 31st January 1977

Ref. No. ACQ. I-II E No. 380.—Whereas, I, B. V. SUBBARAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 93 & 95 situated at B, Kothuru Pithapuram Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pithapuram on 14-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sangiseti Kantam W/o Suryaprakasarao, B. Kothuru, Pithapuram Taluk, E.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per register document No. 1315/76 registered before the Sub-Registrar, Pithapuram during the fortnight ended on 15-6-1976.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 31-1-1977

Seal :

SUBORDINATE SERVICES COMMISSION
CLERKS' GRADE EXAMINATION (FOR GROUP D
STAFF), 1977

The 19th February 1977

NOTICE

No. 13/5/76-E.A.—The abovementioned departmental competitive examination will be held by the Subordinate Services Commission on 2nd September 1977, at Delhi and selected Indian Missions abroad for recruitment to temporary vacancies in Lower Division Grade of Central Secretariat Clerical Service, AFHQ Clerical Service, Grade VI of Indian Foreign Service (B) and for posts of Lower Division Clerks in the Department of Parliamentary Affairs. The examination is restricted to certain categories of Group D employees working in Ministries/Departments/Offices participating in above-mentioned Services who satisfy following conditions :—

- (a) *Length of Service* : Should have rendered on 1st January 1977 not less than 5 years approved and continuous service as a Group D employee or in a higher grade;

(b) *Age* : Should be not more than 45 years of age on 1st January 1977. Upper age limit relaxable by five years for SC/ST candidates; and

(c) *Educational Qualifications* : Must have passed Matriculation or equivalent examination.

No fee will be charged for the examination.

2. Full particulars and application forms obtainable from Subordinate Services Commission, West Block 1, R. K. Puram, New Delhi-110022 by remitting Re. 1/- (Rs. 2/- if despatch of application form desired by recorded delivery system), by means of crossed (A/c Payee) Indian Postal Orders payable to Subordinate Services Commission at R. K. Puram, (Delivery) Post Office, New Delhi or on cash payment at sale counter in Commission's Office.

3. Completed application forms must reach the Commission by 21st April 1977 (5th May 1977 for candidates residing abroad or in Andaman and Nicobar Islands or in Lakshdweep).

MADAN LAL, Secy.